अब बेव पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 323 लखनऊ, गुरुवार, 12 जून 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

एक जुलाई से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए अनिवार्य होगा आधार प्रमाणीकरण

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं ताकि टिकट बुकिंग में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके। एक जुलाई से आईआरसीटीसी की वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा। इसके अलावा 15 जुलाई से ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य होगा। रेल मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली में कई बदलाव किए हैं। पहला, ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा। बुक करने की अनुमति नहीं होगी।

एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग फिर स्थगित

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य एस्ट्रोनॉट्स के लिए अंतरिक्ष स्टेशन तक की ऐतिहासिक यात्रा को एकबार फिर स्थगित कर दिया गया। आज एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग होनी थी। लॉन्चिंग वाहन में रिसाव के चलते इसे फिर स्थगित कर दिया गया है। इसरो प्रमुख डॉ. वी नारायणन ने यह जानकारी एक्स पर दी। डॉ. नारायणन ने कहा कि आईएसएस पर पहले भारतीय गगनयात्री भेजने के लिए 11 जून को लॉन्च होने वाले एक्सिओम-4 मिशन को स्थगित कर दिया गया है। फाल्कन 9 लॉन्च वाहन के बूस्टर चरण के प्रदर्शन को मान्य करने के लिए लॉन्च वाहन की तैयारी के हिस्से के रूप में, लॉन्च पैड पर सात सेकंड का हॉट टेस्ट किया गया।

यूएई ने आतंकवाद पर भारत के रुख पर समर्थन दोहराया

नई दिल्ली। भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के नेतृत्व द्वारा दिए गए समर्थन और भारत के साथ एकजुटता व्यक्त करने की सराहना की है। यूएई ने विदेश सचिव विक्रम मिस्री के मंगलवार 10 जून को आबू धाबी की यात्रा के दौरान यह रुख दोहराया। यह यात्रा विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और यूएई के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाह्यान के बीच गत वर्ष 13 दिसंबर को नयी दिल्ली में आयोजित 15वीं संयुक्त आयोग बैठक के बाद हुई है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि अपनी यात्रा के दौरान विदेश सचिव श्री मिस्री ने भारत और यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझीदारी के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा करने के लिए यूएई के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग राज्य मंत्री रीम अल हाशिम के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

संतों ने समाज को दिखाई वो राह, जो कैराना व कांधला जैसी घटना नहीं होने देती : मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● मुख्यमंत्री योगी ने मुजफ्फरनगर में विशाल संत समागम और सत्संग कार्यक्रम में किया सहभाग

लखनऊ/मुजफ्फरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संतों ने समाज को एकता और जोड़ने की राह दिखाई। वह राह, जो कैराना व कांधला की घटना नहीं होने देती। यह वही राह है, जो हमें सुरक्षा व संरक्षण की गारंटी देती है और उत्थान का मार्ग प्रशस्त करती है। साथ ही सम-विषम परिस्थितियों में लड़ने की प्रेरणा देती है। स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास महाराज दिव्य संत थे। उन्होंने शुकतीर्थ में सतगुरु रविदास महाराज की प्रेरणा को आगे बढ़ाने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को शुकतीर्थ मुजफ्फरनगर में विशाल संत समागम और सत्संग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम संत स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास महाराज की 65वीं पुण्यतिथि एवं सतगुरु समनदास महाराज की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मध्यकाल में जब देश गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा हुआ था, विदेशी आक्रांता भारत की धर्म और संस्कृति को रौंद रहे थे। उस समय ज्योति के पुंज के रूप में काशी के सीरगोवर्धन में सतगुरु रविदास महाराज का अविर्भाव होता है। उन्होंने कर्मसाधना के माध्यम से जो प्रेरणा दी, वह आज भी देश व हर श्रद्धालु के लिए मार्गदर्शक के रूप में काम करती है।

पवित्रता व निर्मलता का प्रतीक है रविदास महाराज का कथनसतगुरु रविदास महाराज ने सामाजिक आडंबर व कुरीतियों के खिलाफ समाज को जागरूक किया। कर्म पर विश्वास करने की प्रेरणा दी। आध्यात्मिक चेतना का जागरण किया। उन्होंने कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा.. सतगुरु रविदास का कथन जीवन में आंतरिक पवित्रता और निर्मलता का प्रतीक है। उन्होंने समाज को सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की नई प्रेरणा दी। संत रविदास महाराज के गुरु संत रामानंद महाराज ने कहा था कि जाति-पाति पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरि का होई...। प्रधानमंत्री ने संत रविदास की बातों को अक्षरशः लागू कियामुख्यमंत्री ने संत रविदास के कथन की चर्चा करते हुए कहा कि उनकी वाणी अत्यंत दिव्य थी। रविदास ने कहा था, मैं तब प्रसन्न रहूंगा, जब बिना भेदभाव सबको समान अधिकार व अन्न मिलेगा। संत रविदास की इन बातों को प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के माध्यम से इसे अक्षरशः लागू किया। कोरोना जैसी महामारी काल से अब तक 81 करोड़ लोगों को अन्न वितरण कराया जा रहा है और यही संतों की प्रेरणा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रविदास महाराज की पावन जन्मभूमि सीरगोवर्धन की सड़कें 2014 के पहले सिंगल लेन की थीं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से उसे फोरलेन से जोड़ दिया गया। आश्रम को भव्य रूप दे दिया गया है। गुरु रविदास की भव्य प्रतिमा व अन्न क्षेत्र का निर्माण किया गया। सैकड़ों बीघा जमीन को खरीदकर सतगुरु रविदास महाराज के नाम पर पार्क व प्रतिमा की स्थापना हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शुकतीर्थ पौराणिक तीर्थ है। यह भागवतभूमि है। पांच हजार वर्ष पहले शुकदेव महाराज ने राजा परीक्षित को भागवत की पहली कथा इस धाम पर सुनाकर भक्ति, ज्ञान, मुक्ति के महत्व की प्रेरणा बताई थी। मां गंगा भारत के सनातन धर्म परंपरा की अविरल धारा है, जो सम-विषम परिस्थितियों में उद्धार का मार्ग प्रशस्त करती है। दुनिया का कोई मत, मजहब और संप्रदाय बताए कि पांच हजार वर्ष का इतिहास कितने लोगों का है। यह दावा केवल आप कर सकते हैं। जिसके उत्तराधिकारी आप और वाहक संतजन हैं।

केन्द्र ने खाद्य तेलों पर घटाया आयात शुल्क, उपभोक्ताओं को लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने सूरजमुखी, सोया और पाम जैसे कच्चे खाद्य तेलों पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को 20 प्रतिशत से घटा कर 10 प्रतिशत कर दिया है। इससे कच्चे और परिष्कृत तेलों के बीच आयात शुल्क में अंतर 8.75 प्रतिशत से बढ़ कर 19.25 प्रतिशत हो गया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार यह फैसला सितंबर 2024 में हुई शुल्क वृद्धि और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में उछाल के कारण घरेलू स्तर पर बढ़ती खाद्य तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए लिया गया है। सरकार ने तेल उद्योग और संघों को परामर्श जारी किया है कि शुल्क में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाए। मंत्रालय का कहना है कि 19.25 प्रतिशत का शुल्क अंतर घरेलू रिफाइनिंग को प्रोत्साहित करेगा और परिष्कृत तेलों के आयात को घटाएगा। इससे घरेलू उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और किसानों को भी उचित मूल्य मिल सकेगा।

खाद्य तेलों पर आयात शुल्क, तेल की लैंडेड कॉस्ट और खुदरा कीमतों को प्रभावित करता है। शुल्क में कटौती से खुदरा मूल्य घटेगा और महंगाई पर अंकुश लगेगा। यह नीति निर्णय घरेलू रिफाइनरों को बराबरी का मौका देगा और उपभोक्ताओं के लिए कीमतों को स्थिर बनाएगा। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव की अध्यक्षता में तेल उद्योग संघों के साथ बैठक में यह निर्णय लिया गया।

यूपी के किसानों को सौगात, एमएसपी पर होगी मूंग और मूंगफली की खरीद

● यूपी के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने भारत सरकार के निर्णय का जताया आभार

एजेंसी

लखनऊ। भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश के किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मूंगफली और मूंग को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने की स्वीकृति दे दी है।

भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के बीच बुधवार को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस हुई। इसमें श्री शाही ने केंद्रीय कृषि मंत्री को अवगत कराया कि जायद 2024-25 में उत्तर प्रदेश में मूंग का आच्छादन 1.60 लाख हेक्टेयर और मूंगफली का आच्छादन 1.74 लाख हेक्टेयर रहा है। उन्होंने प्रदेश के किसानों द्वारा उत्पादित जायद की मूंगफली और मूंग को एमएसपी पर खरीदने का आग्रह किया, जिसे केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। जायद 2024-25 के लिए मूंग के क्रय का लक्ष्य 34,720 मीट्रिक टन और मूंगफली के क्रय का लक्ष्य 50,750 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। भारत सरकार के इस लोकप्रिय निर्णय से प्रदेश के बड़ी संख्या में किसान लाभान्वित होंगे। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह भी आश्वासन दिया है कि आवश्यकता पड़ने पर मूंगफली और मूंग के क्रय के लक्ष्य में वृद्धि की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, उड़द के क्रय के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त होने पर उसका अनुमोदन भी प्रदान कर दिया जाएगा।

किसानों के हित में लिए गए इस अभूतपूर्व निर्णय के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया है। कृषि मंत्री श्री शाही ने भारत सरकार से यह भी आग्रह किया है कि जायद में लगभग 4.80 लाख हेक्टेयर में व्यापक पैमाने पर हो रही मक्का की खेती के उत्पादन को भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाए, जिससे प्रदेश के किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सके।

बीएसएफ जवानों के लिए जर्जर ट्रेन मुहैया कराने के मामले में चार अधिकारी निलंबित

एजेंसी

नई दिल्ली/गुवाहाटी। बीएसएफ जवानों की यात्रा के लिए जर्जर ट्रेन मुहैया कराने के पांच दिन पुराने मामले में अलीपुरद्वार कोचिंग डिपो के चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। जवानों को गंतव्य तक जाने के लिए दूसरी ट्रेन भी मुहैया कराई गयी।

बीएसएफ के 1200 जवानों को 6 जून को त्रिपुरा से अमरनाथ जाना था। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने जो ट्रेन जवानों को मुहैया कराई उसमें खिड़कियां-दरवाजे टूटे थे। ट्रेन का वीडियो भी अब सामने आया है। इसमें टॉयलेट टूटा हुआ दिख रहा है है, लाइट नहीं है। सीटों पर गद्दियां भी गायब हैं। फर्श पर कॉकरोच दिखाई दे रहे हैं। जवानों ने इस ट्रेन पर चढ़ने से ही इनकार कर दिया था।

रेल मंत्री वैष्णव ने आज नई दिल्ली स्थित नेशनल मीडिया सेंटर में पत्रकारों से कहा कि त्रिपुरा से कश्मीर ड्यूटी पर जा रहे बीएसएफ जवानों के लिए पुरानी ट्रेन की तैनाती से जुड़ी घटना को गंभीरता से लिया गया है। इस चूक के लिए अलीपुरद्वार डिवीजन के चार अधिकारियों को आज से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। ये अधिकारी अलीपुरद्वार मंडल से हैं, जिनमें अलीपुर कोचिंग डिपो के कोचिंग डिपो अधिकारी और अलीपुर मंडल के तीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर शामिल हैं। रेल मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि

● बीएसएफ के खस्ताहाल कोच के वीडियो के बाद ट्रेन बदली गई : अश्विनी वैष्णव

सुरक्षा बलों की गरिमा और सुविधा सर्वोपरि है और इस प्रकार की लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रेल मंत्रालय द्वारा इस पूरे प्रकरण की जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। सुनिश्चित किया जा रहा है कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि बीएसएफ जवानों की यात्रा के लिए दूसरी ट्रेन मुहैया करा दी गयी है। हालांकि सुरक्षा कारणों से ट्रेन की टाइमिंग का खुलासा नहीं किया गया।

बीएसएफ के 1200 जवानों में त्रिपुरा फ्रंटियर, गुवाहाटी फ्रंटियर और एमएंडसी फ्रंटियर कंपनियां शामिल हैं। इन सभी कंपनियों के 1200 जवानों को अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी के लिए रवाना होना था। यह स्पेशल ट्रेन उदयपुर रेलवे स्टेशन (त्रिपुरा) से 6 जून को जम्मू तवी रेलवे स्टेशन के लिए चलनी थी। उदयपुर (त्रिपुरा), आमबासा (त्रिपुरा), बदरपुर (असम), ग्वालपारा (असम) और कूचविहार (पश्चिम बंगाल) रेलवे स्टेशन से बीएसएफ जवानों को 'स्पेशल ट्रेन' में सवार होना था। इस बीच बीएसएफ द्वारा आपत्ति दर्ज कराने के बाद 6 जून को रवाना होने वाली ट्रेन को रद्द कर दिया गया।

भारत के बुनियादी ढांचे का विकास जीवन को आसान बना रहा है: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में पिछले 11 वर्षों में किए गए बुनियादी ढांचे के विकास पर प्रकाश डालते हुए बुधवार को कहा कि रेलवे से लेकर राजमार्गों, बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा बुनियादी ढांचा नेटवर्क 'जीवन को आसान' बना रहा है और समृद्धि को बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपनी सरकार के 10 जून को अपने तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष, यानी कुल 11 वर्ष पूरे करने के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने बुनियादी ढांचे में भारत की उत्कृष्ट प्रगति पर जोर दिया - रेलवे, राजमार्गों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक - जिससे बेहतर कनेक्टिविटी, आर्थिक विस्तार और नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने और समृद्धि में वृद्धि हुई है। श्री मोदी ने लिखा, ह्लये बुनियादी ढांचागत विकास के 11 वर्ष रहे हैं, जिसमें उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे को खड़ा किया गया है जिसने भारत के विकास प्रक्षेपवक्र को बढ़ाया है।

लोहंदा कांड की गर्मायी राजनीति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मृतक राम बाबू के परिजनों से बात करती महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा

कौशाम्बी। जनपद कौशाम्बी के थाना सैनी अंतर्गत लोहंदा गांव में पिछले चार जून को किसान राम बाबू द्वारा जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या कर ली गयी। दूसरे दिन 5 जून को पोस्टमार्टम के बाद मृतक राम बाबू के शव को परिजन राष्ट्रीय राजमार्ग पर शव को रखकर दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर चक्का जाम कर दिये। इसी दौरान जाम की स्थिति बिगड़ने पर ए एस पी कौशाम्बी की उपस्थिति में पुलिस द्वारा लाठी चार्ज कर दिया गया तथा दौड़ा दौड़ा कर पीटा गया तथा बाद में जबरन पुलिस द्वारा अंतिम संस्कार करा दिया गया। 6 जून को मृतक के पुत्र व अन्य कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद बार एशोसिएशन द्वारा ए एस पी का पुतला फूंककर विरोध दिखाया गया। जांच में दोषी पाए जाने पर एस ओ सैनी व दो अन्य दरोगा निलंबित किये गये। 9 जून को मृतक के पुत्र सिद्धार्थ तिवारी उर्फ धुन्नू पर पाक्सोऐक्ट की धारा हटाकर कोर्ट से जमानत मिल गयी। इस दौरान लगातार मृतक राम बाबू तिवारी के यहां राजनीतिक लोगों द्वारा लगातार उनके परिजनों से मिलकर सांत्वना दी जा रही है। बुधवार को शेफर्ड टाइगर फोर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष धामू पाल पीड़ित लड़की के घर पहुंचकर परिजनों से मिले। महिला आयोग उ.प्र. की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा मृतक राम बाबू के परिजनों से मिलकर हर सम्भव मदद करने को आश्वासन दी। घटना की साजिश में नामजद ग्राम प्रधान भूप नारायण पाल का अभी भो कोई पता नही चल सका।

राजा हत्याकांड: सोनम समेत सभी 5 आरोपित 8 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजे गए

एजेंसी

शिलांग। मेघालय के सोहरा (चेरापूंजी) पहाड़ियों में हुए राजा रघुवंशी हत्याकांड में गिरफ्तार सोनम रघुवंशी, उसके कथित प्रेमी राज कुशवाहा और तीन भाड़े के हत्यारों आकाश राजपूत, विशालसिंह चौहान और आनंद कुर्मी को शिलांग के पूर्वी खासी हिल्स जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

जिला न्यायाधीश की अदालत में पेश किए जाने से पहले सोनम रघुवंशी ने विशेष जांच दल (एसआईटी) की पूछताछ के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या में शामिल होने की बात कबूल की। इसके अलावा सोनम ने कबूल किया है कि अगर 'भाड़े के हत्यारे' उसके पति राजा को मारने में विफल हो जाते, तो उसने उनकी हत्या सुनिश्चित करने के लिए एक वैकल्पिक योजना भी बनाई थी। पुलिस के सवालों का जवाब देते हुए सोनम ने बताया कि उसने सेल्फी लेने के बहाने राजा को पहाड़ी की खाई के किनारे धकेलने की योजना बनाई थी। पूछताछ के दौरान दिए गए बयान को जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों ने रिकॉर्ड किया। यह बयान जज के सामने भी रिकॉर्ड किया गया। मेघालय पुलिस की एसआईटी के समक्ष गिरफ्तार प्रेमी राज कुशवाहा और तीन भाड़े के हत्यारों ने अपने इकबालिया बयान में कहा है कि राजा की हत्या सोनम की योजना के अनुसार की गई। पूछताछ के बाद कोर्ट ने सोनम और उसके चार साथियों को आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

राज्य पुलिस की एक टीम सोनम रघुवंशी को लेकर मंगलवार आधी रात को शिलांग पहुंची थी। उसे बुधवार को मेडिकल जांच के लिए शिलांग शहर के पोलो इलाके में स्थित गणेश दास अस्पताल स्वास्थ्य जांच के लिए ले जाया गया। इसके बाद सोनम को कड़ी सुरक्षा के बीच जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में पेश किया गया। पुलिस सोनम को दोबारा सोहरा (चेरापूंजी) स्थित घटनास्थल पर लेकर जाएगी और उस दिन के घटनाक्रम को फिर से दोहराएगी।

दिव्यांगजनों के शैक्षिक पुनर्वास को नई दिशा दे रही योगी सरकार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के शैक्षिक पुनर्वास को एक नई दिशा दे रही है। योगी सरकार विशेष विद्यालयों के संचालन की योजना के तहत राज्य में 16 विशेष विद्यालय संचालित कर रही है, जिनकी कुल छात्र क्षमता 2040 है। इन विद्यालयों में वर्तमान में 1680 दिव्यांग बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं, जो शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। योगी सरकार की यह पहल न केवल दिव्यांग बच्चों को सशक्त बना रही है, बल्कि समाज में समावेशिता को भी बढ़ावा दे रही है। योजना के तहत दिव्यांगता की विभिन्न श्रेणियों के अनुरूप अलग-अलग विद्यालय स्थापित किए गए हैं। 'प्रयास विद्यालय' चलन-बाधित दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए प्रतापगढ़ और लखनऊ में हाई स्कूल स्तर तक संचालित किए जा रहे हैं, जिनकी कुल छात्र क्षमता 100 है। वहीं मानसिक मंदता से प्रभावित बच्चों के लिए 'ममता विद्यालय' प्रयागराज में बालकों और लखनऊ में बालिकाओं के लिए जूनियर हाई स्कूल स्तर तक चल रहे हैं। इनकी क्षमता भी 100 है। मूक-बधिर बच्चों के लिए योगी सरकार 'संकेत विद्यालय' का संचालन कर रही है। इस प्रकार के विद्यालय आगरा, लखनऊ, बरेली, फर्रुखाबाद और गोरखपुर में संचालित हैं। इनमें से आगरा में हाई स्कूल और बाकी जगह जूनियर हाई स्कूल स्तर की पढ़ाई होती है। इनकी कुल क्षमता 790 है। राज्य सरकार के प्रवक्ता के अनुसार

दृष्टिबाधित बच्चों के लिए 'स्पर्श विद्यालय' लखनऊ और गोरखपुर में बालक-बालिकाओं के लिए एक-एक, मेरठ और बांदा में बालकों के लिए और सहारनपुर में बालिकाओं के लिए संचालित हैं। इनकी कुल छात्र क्षमता 1050 है। इन सभी विद्यालयों में विशेष शिक्षकों और संसाधनों के जरिए बच्चों को उनकी जरूरत के अनुरूप शिक्षा दी जा रही है, ताकि वे अपनी क्षमताओं को पहचान सकें और समाज में अपनी जगह बना सकें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के संकल्प के साथ लगातार काम कर रहे हैं। सीएम योगी का मानना है कि दिव्यांग बच्चों की शिक्षा और उनके सशक्तीकरण के जरिए एक समावेशी समाज का निर्माण कर सकते हैं। यही वजह है कि इन विशेष विद्यालयों के माध्यम से दिव्यांग बच्चों के न केवल शिक्षा बल्कि समग्र विकास पर जोर दिया जा रहा है। इन स्कूलों में पढ़ने वाले 1680 बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण, सहायक उपकरण और अनुकूल माहौल भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

गोरखपुर महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव के निधन पर भाजपा नेताओं ने जताया शोक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के गोरखपुर महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव के आकस्मिक निधन पर भाजपा के नेताओं ने शोक जताया है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर लिखा कि देवेश श्रीवास्तव के निधन का अत्यंत दुःखद समाचार प्राप्त हुआ है। प्रभु श्रीराम जी से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल ने एक्स पर लिखा कि हमारे कर्मठ, जुझारू भाजपा गोरखपुर महानगर के अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव के आकस्मिक निधन की हृदय विदारक दुःखद सूचना मिली, प्रभु पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं इस दुःख की घड़ी में परिवार पर हुए वज्रपात को सहने का संबल दें।

दिव्यांग बच्चों को भी शिक्षा में बराबरी का अधिकार देना हमारा संकल्प: संदीप सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और समावेशन की दिशा में लगातार सार्थक प्रयास कर रही है। इसी क्रम में राज्य के लगभग 2.96 लाख विशिष्ट आवश्यकता वाले (दिव्यांग) विद्यार्थियों के लिए यूनिसेफ के सहयोग से 'सुगम्य वर्कशीट्स' का विकास और वितरण कराया जा रहा है। ये वर्कशीट्स न केवल उनकी मूलभूत शैक्षिक दक्षताओं को मजबूत करेंगी, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देंगी। योगी सरकार की यह संवेदनशील और रणनीतिक पहल शिक्षा को केवल अधिकार नहीं, अनुभव और आत्मबल का माध्यम बना रही है। अब राज्य सरकार दिव्यांगता को बाधा नहीं, बल्कि एक विशेषता मानते हुए उचित संसाधनों और सहयोग के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा में लाने की दिशा में मजबूत कदम उठा रही है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि योगी सरकार की प्राथमिकता है कि कोई भी बच्चा पीछे न छूटे, चाहे वह किसी भी सामाजिक, आर्थिक या शारीरिक परिस्थिति में क्यों न हो। 'सुगम्य वर्कशीट्स' के माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि दिव्यांग बच्चे भी शिक्षा के हर स्तर पर बराबरी के हकदार बनें। यह केवल एक शैक्षिक नवाचार नहीं, बल्कि समावेशी और संवेदनशील समाज के निर्माण की दिशा में हमारा संकल्प है। इन वर्कशीट्स को कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी और गणित विषयों पर केंद्रित किया गया है। कक्षा 1 से 5 के लिए कुल 1300 वर्कशीट्स तैयार किये गये हैं तो कक्षा 6 से 8 के लिए 600 वर्कशीट्स। इस तरह इनके लिए कुल 1900 वर्कशीट्स तैयार हैं। इन वर्कशीट्स को पूर्ण दृष्टि दिव्यांग छात्रों को छोड़कर अन्य सभी श्रेणियों के दिव्यांग बच्चों के लिए इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि वे रंगीन, आकर्षक और सरल भाषा में हों, ताकि वे रुचिपूर्वक और सहजता से सीख सकें। वर्कशीट्स की छपाई पूर्ण हो चुकी है और सभी जनपदों में उनकी आपूर्ति सुनिश्चित कर दी गई है। अब ब्लॉक और विद्यालय स्तर पर उनका वितरण किया जा रहा है। दिशा-निर्देशों के अनुसार, ये वर्कशीट्स एक सेट में चरणबद्ध रूप से वितरित की जाएंगी। पहले सेट के अभ्यास और शिक्षक मूल्यांकन के बाद ही अगला सेट दिया जाएगा। शिक्षकों को व्यक्तिगत, जोड़ी और समूह गतिविधियों के माध्यम से बच्चों से वर्कशीट्स पर कार्य कराने के निर्देश दिए गए हैं।

यूपी वन निगम ने काष्ठ आधारित उत्पादों के निर्यात से अर्जित की विदेशी मुद्रा

उत्तर प्रदेश वन निगम
Uttar Pradesh Forest Corporation
Government of Uttar Pradesh

योगी सरकार के सफल प्रयासों से यूपी वन निगम बना लाभदायक निकाय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश वन निगम ने योगी सरकार के कुशल नेतृत्व में न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी निकाय के रूप में अपनी पहचान बनाई है, बल्कि सामाजिक उत्थान और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्ष 2024-25 में यूपी वन निगम ने 243.31 करोड़ रुपये की आय अर्जित की, जो इसकी वित्तीय सुदृढ़ता और प्रबंधकीय दक्षता का प्रमाण है। साथ ही यूपी वन निगम ने काष्ठ आधारित उत्पादों के निर्यात में वृद्धि से विदेशी मुद्रा अर्जित की है। उत्तर प्रदेश वन निगम प्रदेश में स्थाई वानिकी, पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वन प्रबंधन का कार्य करती है। इसके अतिरिक्त वन निगम वनोपज के संग्रह, विक्रय के साथ ही वन पर आश्रित जनजातीय समुदाय के सामाजिक एवं आर्थिक रूप से लाभकारी तरीकों को प्रोत्साहित करता है। सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में उनके विजन के अनुरूप कार्य करते हुए यूपी वन निगम ने कई उल्लेखनीय सफलताएं हासिल की हैं। वन मंत्री डा. अरूण सक्सेना ने बताया कि इस वर्ष लगभग 04 लाख मानक बोरा तेन्दूपत्ता का उत्पादन किया गया। जिससे बीड़ी उद्योग से जुड़े छोटे-बड़े ठेकेदारों और श्रमिकों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हुए। यह पहल न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रही है, बल्कि जनजातीय समुदायों के सशक्तिकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वर्तमान में यूपी वन निगम पूरी तरह एक लाभकारी संस्था बन चुका है। वन निगम ने जहां वर्ष 2023-24 में 246.29 करोड़ रुपये तो वहीं वर्ष 2024-25 में 243.31 करोड़ रुपये की आय अर्जित की है। वहीं वन निगम ने वर्ष 2020-21 में 150.55 करोड़, 2021-22 में 151.65 करोड़, 2022-23 में 227.66 करोड़ रुपये की आय अर्जित की है। पिछले कई वर्षों से परिचालन लाभ में निरंतर वृद्धि वन निगम की कार्यकुशलता और आर्थिक स्थिरता का परिचायक है। यूपी वन निगम ने योगी सरकार के मार्गदर्शन में न केवल आर्थिक लाभ अर्जित किया, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। वन निगम ने तेन्दूपत्ता संग्रहण के माध्यम से लगभग 02 लाख जनजातीय परिवारों को आजीविका भी प्रदान की है।

महाकुंभ 2025 में निगम ने किया 27,000 क्विंटल जलौनी लकड़ी का विक्रय

सनातन आस्था के महापर्व, महाकुंभ 2025 में यूपी वन निगम ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जलौनी लकड़ी के विक्रय की व्यवस्था की। जिसके तहत प्रयागराज में अस्थाई रूप से बसी महाकुम्भ नगरी में यूपी वन निगम में 17 टालों के माध्यम से 27,000 क्विंटल जलौनी लकड़ी का विक्रय किया। यह प्रयास न केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से टिकाऊ रहा, बल्कि करोंड़ो श्रद्धालुओं और कल्पवासियों की आस्था को भी पूरा करने में भी सहायक सिद्ध हुआ। यह पहल कुंभ मेले की व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण योगदान के रूप में देखी जा रही है।

सिपाही ने लड़की को छत से नीचे फेंका, रीढ़ की हड्डी टूटी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के बीबीडी थाना क्षेत्र में डायल-112 के सिपाही मुकेश यादव ने 16 साल लड़की को दूसरी मंजिल की छत से नीचे फेंक दिया। लड़की की रीढ़ की हड्डी टूट गई। गंभीर स्थिति में उसका डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में उपचार चल रहा है। लड़की की मां का आरोप है कि सिपाही बेटी के साथ छेड़खानी करता था। उन्होंने इसका विरोध किया तो उसने गालियां देते हुए पति को जान से मारने की धमकी दी। अपनी पत्नी कुमकुम और साले अंकित यादव के साथ मिलकर पति और बेटी के साथ मारपीट की। उन्होंने बीच-बचाव किया तो उन्हें भी पीटा। उन्होंने घटना की बीबीडी थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू की है। घटना सोमवार शाम करीब 7 बजे की है। बीबीडी थाना क्षेत्र में पीड़िता और सिपाही का परिवार एक ही मकान में किराए पर रहता है। पीड़िता का आरोप है कि सिपाही मुकेश यादव घर बनवा रहा है। वह कई दिनों से बेटी से छेड़खानी कर रहा था। उसकी नीयत गलत थी। बेटी ने उन्हें इसकी जानकारी दी। उन्होंने सिपाही की पत्नी से इसका विरोध किया। इस पर सिपाही भड़क गया। उन्होंने बेटी को डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि उसकी रीढ़ की हड्ड्डी टूट गई है। वह खड़ी नहीं हो पा रही है। चलने-फिरने में असमर्थ है। उन्होंने बताया कि अब भी सिपाही उनके परिवार को धमका रहा है। इंस्पेक्टर बीबीडी का कहना है कि मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम कर्मचारी को आया हार्ट अटैक, साथियों ने किया हंगामा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ नगर निगम कर्मचारी को जोनल अधिकारी ने गाली दी, नौकरी से निकालने की धमकी देकर जबरन नाली साफ करवाई। नौकरी जाने के सदमे से कर्मचारी को हार्ट अटैक आया। उसे गंभीर हालत में हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। इसकी सूचना बुधवार दोपहर जब सफाई कर्मचारियों को हुई तो उन्होंने नगर निगम मुख्यालय पर हंगामा कर दिया। जोनल अधिकारी मनोज यादव के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। कर्मचारियों ने नगर स्वास्थ्य अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जोनल अधिकारी को हटाने की मांग भी की। लखनऊ सफाई कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष ज्ञान चंद भारती ने बताया जोन-6 के जोनल अधिकारी मनोज कुमार यादव ने सहादतगंज वार्ड का निरीक्षण किया। इसमें इंजीनियरिंग विभाग के तहत आने वाले नाले के पास एक कूड़े का ढेर पाया गया। इस पर बीट इंचार्ज रोहित धानुक (विभागीय संविदा सफाई कर्मचारी) और कार्यदायी संस्था के माध्यम से काम कर रहे ताजुद्दीन और अन्य कर्मचारियों से अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि रोहित धानुक के साथ धक्का-मुक्की करते हुए जातिसूचक गालियां दी गई।

शिक्षामित्रों का 16वें दिन पोस्टकार्ड प्रदर्शन, 43 डिग्री तापमान में ईको गार्डन में धरना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ राजधानी लखनऊ इको गार्डन में शिक्षामित्रों का 16 दिनों से विरोध प्रदर्शन जारी है। 16वें दिन शिक्षा मित्रों ने पोस्टकार्ड प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी शिक्षामित्रों ने अपनी समस्याओं पोस्टकार्ड के माध्यम से सीएम योगी को भेजा। प्रदेशभर से इकट्ठा हुए शिक्षामित्रों ने जमकर नारेबाजी की। शभीख नहीं सम्मान चाहिए-पूरा वेतन मान चाहिए लगा रहे थे नारा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि ये बेहद अफसोसजनक है कि 16 दिनों लगातार आंदोलन कर रहे हैं। यूपी के 75 जनपदों से टीईटी/सीटीईटी पास शिक्षामित्र अपनी स्थायी नौकरी की मांग को लेकर 40 डिग्री से अधिक तापमान में प्रदर्शन करने पर मजबूर हैं। भीषण गर्मी में मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। यहां हम लोग इको गार्डन के तपते पत्थर पर बैठे हैं। यूपी में करीब 50,000 शिक्षामित्र हैं जो टीईटी/सीटीईटी पास हैं और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के मानकों के अनुसार पूरी तरह योग्य हैं। फिर भी लंबे समय से पक्की नौकरी का इंतजार कर रहे हैं। इन शिक्षामित्रों का कहना है कि उन्होंने 25 साल तक शिक्षा के क्षेत्र में मेहनत की, लेकिन उन्हें स्थायी नौकरी और सम्मानजनक पहचान नहीं मिली। सीतापुर से प्रदर्शन में आए गुड्डू सिंह ने कहा कि विगत कई सालों से हम लोग दर-दर की ठोकर खा रहे हैं मगर सुनवाई नहीं हो रही है। लखनऊ में 16 दिनों से लगातार धरना दे रहे हैं। दो वक्त की रोटी की मांग को लेकर हम लोग संघर्ष कर रहे हैं। प्रदेश भर के शिक्षा मित्र सीएम योगी को पोस्टकार्ड भेज कर अपनी बात रख रहे हैं। शिक्षक बनने के जो मानक है उसे पूरा करते हैं मगर हमारी कोई मांग पूरी नहीं हो रही है। 2017 में भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में भी हमें न्याय देने की बात कही थी। गुडडू ने कहा कि हम लोगों को मात्र 10 हजार वेतन मिल रहा है वह भी 11 महीने का। जून महीने का वेतन नहीं मिलता। 10 हजार रुपए में परिवार का पेट पालना बेहद मुश्किल हो गया है। बच्चों की स्कूल की फीस जमा करना मुश्किल हो गया है। बुजुर्ग माता-पिता का इलाज नहीं करवा पा रहे हैं। जीवन बेहद संघर्षों से गुजर रहा है। आज समर कैंप में भी हम लोग स्कूलों में सेवाएं दे रहे हैं।

भाजपा के विकास और निवेश की तरह इनकी जांच और इलाज भी कागजी: अखिलेश यादव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने एक एक्स-रे का वीडियो जारी कर स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाया। अखिलेश ने कहा कि भाजपा के विकास और निवेश की तरह इनकी जांच और इलाज भी कागजी ही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा, यह भाजपा के कुशासन का एक्स-रे है। भाजपा के विकास और निवेश की तरह इनकी जांच और इलाज भी कागजी ही है। यह गंभीर जांच का विषय है कि कहीं ये असंभव कागजी एक्स-रे किसी और के मूल एक्स-रे की फोटोकॉपी तो नहीं, इसे किसी और का बताकर केवल कागजी खानापूर्ति की जा रही हो और गलत चिकित्सा-उपचार भी किया जा रहा हो। तुरंत जांच पर जांच बैठाई जाए, और सच्ची रिपोर्ट बाहर लाई जाए। वीडियो के नीचे कैप्शन में लिखा है कि योगी जी के शासन में कमाल की एक्स-रे रिपोर्ट कागज में दी जा रही है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को हिदायत देते हुए कहा कि इधर-उधर की राजनीति छोड़कर अपने मंत्रालय पर ध्यान दें। कागज में एक्स-रे की रिपोर्ट सुल्तानपुर मेडिकल कॉलेज की बताई जा रही है, जो कि सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। इसके पहले आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने भी इस मामले को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया और लिखा, क्या आपने कभी कागज के पन्ने पर एक्स-रे फिल्म ली है? नहीं तो सुल्तानपुर के मेडिकल कॉलेज में आइए, यहां कई सालों से कागज के पन्ने पर एक्स-रे मिलता है। कोई नियमित रेडियोलॉजिस्ट भी मेडिकल कॉलेज में नहीं है। स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली फर्जी भाषणों से दूर नहीं होगी। भाजपा मतलब बर्बादी। इसके अलावा सपा मुखिया ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि भाजपा में जो लोग अपने समाज को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किए जाने के बाद उपेक्षित किए जाने के 'साक्षी' हैं, वे जब सच्चे मन से बोलते हैं तो सच ही बोलते हैं। उनके बयान और भाषण भाजपा को अंतिम चुनौती नहीं हैं बल्कि भविष्य का उद्घोष हैं क्योंकि वे भी जानते हैं कि 'पीडीए' ही उनका स्वाभाविक और स्थायी पड़ाव है, जहां हर पीडीए से सच्चा लगाव है। बाकी क्या कहना, वे स्वयं और उनका समाज स्वयं ही अपने मान-सम्मान को लेकर बेहद जागरूक, सक्रिय और समझदार है। थोड़े लिखे को ज्यादा समझिएगा।

गोण्डा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप भाजपा से निष्कासित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के गोण्डा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। इस संबंध में प्रदेश भाजपा कार्यालय की ओर से प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल ने बुधवार को पत्र जारी किया। दरअसल गोण्डा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप का एक महिला को सहारा देने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस वीडियो पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने सफाई दी थी कि महिला को चक्कर आ गया था इसलिए उसे हमने सहारा दिया था। इस वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भाजपा ने जिलाध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। अमर किशोर कश्यप की ओर से पार्टी को भेजा गया स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं लगा। इसके बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी के निर्देशानुसार गोण्डा के जिलाध्यक्ष को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।

प्रदेश सरकार मातृ एवं शिशु कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं तथा नवजात शिशुओं को दे रही है स्वास्थ्य सुरक्षा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारत सरकार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए स्थानीय स्तर पर पूरी स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करने की व्यवस्था की है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में सबको स्वास्थ्य सेवा सम्बन्धी पूरी सुविधा दी है। आम जनता को सभी रोगों के इलाज की सुविधा दी जा रही है। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना एवं मुख्यमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रदेश के गरीब परिवारों के सदस्यों को रु0 5 लाख तक की मुफ्त इलाज की सुविधा दी जा रही है। प्रदेश सरकार गांवों तथा शहरों की गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं की देखरेख एवं स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर रही है। जननी सुरक्षा योजना राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत प्रदेश के समस्त जनपदों में संचालित की जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत राज्य स्तरीय राजकीय चिकित्सालय के जनरल वार्ड में संस्थागत प्रसव कराने वाली महिलाओं को ग्रामीण क्षेत्र में रु0 1400.00 व शहरी क्षेत्र में रु0 1000.00 एवं बी0पी0एल0 श्रेणी के घरेलू प्रसव हेतु रु 500.00 सहायता राशि के रूप में दिये जाते हैं। आशा कार्यकर्ती पंजीकरण से लेकर प्रसव पूर्व, प्रसव कालीन व प्रसवोत्तर सभी सेवायें उपलब्ध करवाती है। आशा को इस कार्य हेतु ग्रामीण क्षेत्र में कुल रू0 600.00 एवं शहरी क्षेत्र में कुल रू0 400.00 दिये जाते हैं। वर्तमान सरकार के 08 वर्ष के कार्यकाल में लगभग दो करोड़ महिलाओं को लाभान्वित किया गया है। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम प्रदेश के समस्त जनपदों में लागू है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रसव हेतु आने वाली गर्भवती महिलाओं को Guaranteed Cashless Delivery सेवा प्रदान करना है इस योजना के अन्तर्गत सभी गर्भवती महिलाओं एवं प्रसूताओं को समस्त औषधियां एवं जॉच-ब्लड, यूरिन,

अल्ट्रासोनोग्राफी आदि स्वास्थ्य सेवायें निःशुल्क प्रदान की जा रही है। साथ ही सभी गर्भवती महिलाओं एवं प्रसूताओं (सामान्य एवं सिजेरियन प्रसव) को चिकित्सालय में भर्ती रहने के दौरान निःशुल्क भोजन प्रदान किया जा रहा है। निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराने हेतु प्रति लाभार्थी रु0 150 प्रति दिन की अधिकतम दर तक धनराशि व्यय की जा सकती है, जिसमें सुबह का नाश्ता एवं दो समय का भोजन सम्मिलित होता है। गर्भवती महिला को प्रसव पूर्व घर से चिकित्सा इकाई तक एवं प्रसवोपरान्त चिकित्सा इकाई से घर तक निःशुल्क एम्बुलेन्स 102 के माध्यम से पहुँचाया जा रहा है। प्रसवों के उपरान्त मां की 42 दिन तक और बच्चे की एक वर्ष तक पूरी देखभाल / टीकाकरण/बीमार होने पर निःशुल्क चिकित्सा व्यवस्था, घर से चिकित्सा इकाई तक एवं चिकित्सा इकाई से घर तक एवं चिकित्सा इकाई से अन्य चिकित्सा इकाई तक पहुंचाने की निःशुल्क सुविधा एम्बुलेंस 102 के माध्यम से दी जा रही है। इस योजनान्तर्गत प्रदेश में करोड़ों महिलाओं को भोजन, गर्भवती महिलाओं की जाँच एवं उनका उपचार किया गया है। मातृ मृत्यु समीक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत एस0आर0एस0 सर्वे के अनुसार 2011-13 की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश का मातृ मृत्यु अनुपात 285 प्रति 1 लाख जीवित जन्म था। वर्ष 2017-19 की एस0आर0एस0 सर्वे के अनुसार उत्तर प्रदेश का मातृ मृत्यु अनुपात घटकर 167 प्रति 1 लाख जीवित जन्म हो गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत प्रदेश में वर्ष 2020 तक इसे 170 प्रति 1 लाख जीवित जन्म तक लाने का लक्ष्य रखा गया था, जो प्रदेश में अच्छी एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराते हुए एक वर्ष पूर्व ही अर्जित कर लिया गया। समस्त जनपदों में मातृ मृत्यु को कम करने के लिए पी0पी0एच0 प्रबन्ध प्रशिक्षण कराया गया। सतत विकास लक्ष्य के अन्तर्गत वर्ष 2030 तक मातृ मृत्यु को 70 से कम किये जाने के लिए कार्य किये जा रहे है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक माह की 9 तारीख को ब्लॉक स्तरीय चिकित्सालयों में यह कार्यक्रम चलाया जाता है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (PMSMA) का मुख्य उद्देश्य निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं को सभी गर्भवती महिलाओं तक पहुंचाना और उन्हें सुरक्षित संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित करना है, जिसमें द्वितीय व तृतीय त्रैमास की गर्भावस्था वाली महिलाओं को न्यूनतम एक जाँच चिकित्सक द्वारा प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अन्तर्गत समस्त जनपदों के 100 से अधिक प्रसव भार वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर पी0पी0पी0 मोड पर गर्भवती महिलाओं के लिए अल्ट्रासाउंड की सुविधा माह सितम्बर, 2017 से प्रारम्भ की गई है, जिसके अन्तर्गत लाखों महिलाओं की अल्ट्रासाउंड की गई। प्रदेश सरकार गर्भवती महिलाओं को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवायें प्रदान कर रही है।

तेज धूप के साथ गर्म हवाओं के थपेड़े, सड़क पर चलना मुश्किल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में सुबह से ही तेज धूप निकली है। गर्म हवाओं के थपेड़े चल रहे हैं। उमसभरी गर्मी हो रही है। लोग गर्मी से बेहाल हैं। गर्मी से बचाव के लिए लोग छाता, गमछा लेकर घर से निकल रहे हैं। राहत पाने के लिए शिकंजी, नींबू-पानी, जलजीरा, सोडा, कोल्ड ड्रिंक आदि पी रहे हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज राजधानी का अधिकतम तापमान 42 डिग्री के आसपास बना रहेगा। न्यूनतम तापमान 30 डिग्री के अधिकतम स्तर को पार कर सकता है। दोपहर तक पारा अपने अधिकतम स्तर पर दर्ज किया जाएगा। मंगलवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 42.7 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 30.6 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3.4 डिग्री अधिक रहा। दिन में उमस भरी गर्मी और गर्म हवा के थपेड़े परेशान करने लगे। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि आज दिन में तापमान में हल्की गिरावट हो सकती है, लेकिन अधिक समय मौसम साफ बना रहेगा। तेज चटक धूप भी निकली रहेगी। उनका कहना है कि कल से मौसम में बड़ा बदलाव होगा। पूर्वा हवा और अरब सागर से आ रही हवाओं का समागम यूपी के ऊपर होगा। इससे मौसम में बदलाव होगा। उन्होंने कहा कि मानसून की स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, स्थितियां इस सप्ताह में अनुकूल बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि मौसम बदलने से पहले तराई यूपी के जिलों में बारिश होगी। इसके बाद पूरे प्रदेश में इसका असर देखने को मिलेगा। इससे बादलों की गरज चमक के साथ में बारिश दर्ज की जाएगी।

कृषि गोष्ठी का क्षेत्रीय विधायक ने फीता काटकर किया शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। कृषि सूचना तंत्र के शुद्धिकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम योजना के अंतर्गत कृषकोन्मुखी क्रियाकलापों के तहत ब्लाक सभागार में वुधवार को कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें गौ.आधारित प्राकृतिक खेती एवं कृषक तकनीकी की जानकारी के तहत किसानों को जागरूक किया गया। कृषि गोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक रामपाल वर्मा ने फीता काटकर किया। इसके बाद दीप प्रजनन किया। इसके बाद विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा ने अपने संबोधन में कहा किसान देश की रीढ़ है। बिना किसानों को मजबूत किये विकसित राष्ट्र की कल्पना संभव नहीं है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा योजना की जानकारी देकर लाभ उठाएं। सरकार किसानों की आय दोगुनी के लिए सतत प्रयासरत है। वर्तमान किसानों को योजनाओं का लाभ सीधा मिल रहा है। महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि का लाभ देकर उनके जीवन में अमूल परिवर्तन किया है। विधायक ने कहा वर्तमान समय में रासायनिक उपकरण का प्रयोग करने से मिट्टी की गुणवत्ता खराब हो रही है। जिससे मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है, इसलिए जैविक खेती की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। अंधाधुंध रसायन प्रयोग करने से पर्यावरण का नुकसान हो रहा है। यूरिया के स्थान पर जैविक खेती का उपयोग हो रहा है। इस अवसर पर वैज्ञानिकों ने कृषकों को परंपरागत ढंग हटकर अलग तरीके से तकनीकी व वैज्ञानिक तरीके से कृषि करने की जानकारी दी। फसलों के अवशेषों को न जलाएं, इससे मिट्टी की गुणवत्ता खराब होती हैए पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। नैनो यूरिया व डीएपी का उपयोग करना चाहिए। रासायनिक उपकरण के स्थान पर जैविक खेती पर ध्यान दें। जैविक खेती के लिए पशुपालन आवश्यक है। सरकार जैव कीटनाशकों पर 75 फ़ीसदी अनुदान देती है। मिट्टी की गुणवत्ता की जांच कराना आवश्यक है। उप.कृषि निर्देशक सतीश कुमार पाण्डेय ने कहा सरकार किसानों को मुख्य धारा में जोड़ने के लिए अलग.अलग विभागों द्वारा योजनाएं चलाकर मजबूत कर रही हैं। योजनाओं की जानकारी अवश्य रखें। अन्नदाता खुशहाल रहेगा तभी राष्ट्र खुशहाल रहेगा। बेहतर कृषि के लिए सरकार खाद बीज कीटनाशक खेती के लिए

उपकरण, कृषि यंत्र में सहायता कर रही हैं। किसान सम्मन निधि लाभ के लिए फार्मर रजिस्ट्री कराना आवश्यक है। यह किसान की पहचान हैए सभी योजनाओं का सीधा लाभ के लिए फार्मर आईडी के माध्यम से लाभ मिलेगा।किसानों को बीज किट व बेहतर कार्य करने वाले किसानों को मुख्य अतिथि विधायक रामपाल वर्मा ने प्रशस्ति पत्र देकर हौसला अफ्जाई की। कड़ी धूप व बारिश और कड़ाके की सर्दी की परवाह किए बगैर किसानों ने अपनी मेहनत से देश को खाद्यान्न मिल रहा है।

इस अवसर पर प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर संजय अरोड़ा, डॉक्टर एस0के0 तिवारी, डॉक्टर पंकज नौटियाल, उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी विनीत शुक्ला, एडीओ एजी अखिलेश कुमार, बीज भंडार प्रभारी मंजेश कुमार, प्रभारी सहायक संतोष कुमार, आशीष कुमार, दीपांशु पटेल, संतोष कुमार, कमलेश यादव, रोहित सिंह, राजेश्वर वर्मा, खंड विकास अधिकारी महेश कुमार, पूर्व मण्डल अध्यक्ष नवीन पटेल, प्रधान संघ अध्यक्ष मोहम्मद नसीम, युवा नेता अर्जित वर्मा, ग्राम प्रधान आलोक कुमार उर्फ विपिन, आशीष कुमार, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आशीष कुमार सहित कर्मी किसान बंधुओ ने प्रतिभाग किया।

योग सप्ताह के आयोजन के सम्बन्ध में हुई बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में 15 से 21 जून तक आयोजित होने वाले योग सप्ताह तथा 21 जून के पुलिस लाइन में होने वाले मुख्य कार्यक्रम के आयोजन के सम्बन्ध में बैठक हुई।

जिलाधिकारी ने कहा कि योग कार्यक्रमों में व्यापक जन सहभागिता सुनिश्चित की जाये। कार्यक्रमों को अंतर्विभागीय समन्वय से संपन्न कराया जाये। योग प्रशिक्षकों की क्षेत्रवार सूची प्राप्त कर ली जाये। तहसील, विकास खण्ड, नगर निकाय व थाना आदि के अनुसार प्रशिक्षकों की सूची बनाई जाये। आयुष विभाग के प्रशिक्षक अपने सम्बंधित अस्पतालों में योग करवाएं। जिला कारागार में योग का आयोजन किया जाये। 16 को जेल, थाना, कारागार, संप्रेक्षण गृह आदि में योग कार्यक्रम का आयोजन कराया जाये। 18 जून को सभी विकास खण्ड व निकायों आदि में कार्यक्रम कराया जाये। 19 जून को सभी तहसीलों व विभागीय कार्यालयोंए 20 को स्टेडियम में कार्यक्रम कराया जाये। 21 के कार्यक्रम में खिलाडियों, पूर्व सैनिकों, ट्रांसजेन्डर, अधिवक्ताओं, व्यापारियों, शिक्षकों आदि को शामिल किया जाये। एनसीसी व एनएसएस के बच्चों को भी शामिल किया जाये। कार्यक्रमों में महिलाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाये। घाटों पर भी योग कार्यक्रम कराया जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, अपर जिलाधिकारी वि0रा प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी, जिला आयुर्वेद अधिकारी आशा रावत, अन्य सम्बंधित अधिकारी व योग प्रशिक्षक आदि उपस्थित रहे।

13 जून को होगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, रक्तदान महादान गोष्ठी एवं पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। रक्तदान मानवता की सेवा का एक महान कार्य है। हमारे देश में हर दिन हजारों लोगों को दुर्घटनाओं, सर्जरी, प्रसव या गंभीर बीमारियों के कारण रक्त की आवश्यकता होती है। एक यूनिट रक्त तीन लोगों की जान बचा सकता है। दुर्भाग्यवश, हमारे देश में रक्त की मांग और आपूर्ति के बीच एक बड़ा अंतर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जनसंख्या के 1 प्रतिशत लोगों को रक्त दान करना चाहिए लेकिन भारत में अशिक्षा और भ्रांतियों के कारण यह सम्भव नहीं हो पाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि अधिक से अधिक लोग स्वेच्छा से रक्तदान करें। स्वैच्छिक रक्तदाताओं के सम्मान में प्रतिवर्ष विश्व रक्त दाता दिवस 14 जून को मनाया जाता है। स्वैच्छिक रक्त दाता बिना किसी स्वार्थ के रक्तदान का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं और अनगिनत लोगों की जान बचाते हैं। इस दिन का उ?द्देश्य लोगों में रक्तदान के प्रति जागरुकता फैलाना और अधिक से अधिक लोगों को स्वेच्छा से रक्तदान के लिए प्रेरित करना है।

इस महत्वपूर्ण संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिये इन्डियन मेडिकल एसोसिएशन की हरदोई शाखा प्रयासरत है और 13 जून को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, रक्तदान महादान गोष्ठी एवं पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन कर रही है। पी के वर्मा एवं प्रेमावती अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई इस कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे । आपके आमन्त्रण और सहमति से यह कार्यक्रम हरदोई अधिवक्ता संघ के प्रांगण में 13 जून की सुबह 9:30 से आयोजित किए जाएंगे। इस मौके पर अध्यक्ष डॉ० अजय अस्थाना हरदोई नर्सिंग होम सचिव डॉ० संदीप कटियार रानी साहिब कटियारी हॉस्पिटल कोषाध्यक्ष डॉ० अखिलेश पटेल कटियार नर्सिंग होम मीडिया प्रभारी डॉ0 नौरज वर्मा पी0के0 डायग्नोस्टिक्स एंड रिसर्च हॉस्पिटल आदि लोग मौजूद रहे।

न्यू बॉम्बे साड़ी सेल की दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर हुआ राख

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। बस बिल्डिंग के सामने मौजूद किरमानी मार्केट की न्यू बॉम्बे साड़ी सेल में रात भीषण अग्निकांड हुआ। रात करीब 2 बजे दुकान में आग लग गई । दुकान मालिक मोहम्मद इलियास अंसारी के अनुसार करीब 60 लाख रुपये का माल जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों ने दुकान से धुआं और आग की लपटें निकलते देखा। उन्होंने तुरंत दमकल विभाग और पुलिस को सूचना दी। एक दमकल वाहन से आग पर काबू नहीं पाया जा सका। इसके बाद दो और दमकल वाहन बुलाए गए। तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। दमकल कर्मियों ने आग को पास की दुकानों तक फैलने से रोक लिया। दुकान में रखा सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण माना जा रहा है। दुकान बंद होने के कारण घटना के समय कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। दुकान मालिक ने बताया कि त्योहारी सीजन के कारण दुकान में अधिक स्टॉक था। पुलिस और दमकल विभाग आग के सटीक कारण और कुल नुकसान का आकलन कर रहे हैं। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बीती रात बुधवार को शहर कोतवाली क्षेत्र के सिनेमा रोड स्थित किरमानी मार्केट में बनी मुंबई साड़ी सेल नाम की साड़ियों की दुकान में रात करीब ०2:00 बजे भीषण आग लग गई।साड़ी की दुकान में लगी आग की लपटे आसपास रह रहे लोगों ने देखी और तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। जब तक पुलिस और दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंचती तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था। सूचना पर दमकल की एक गाड़ी पहुंची थी जो की आग पर काबू पाने में पूरी तरह से नाकाम साबित हुई जिसके बाद दो अन्य दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग को बुझाने का काम शुरू किया। लगभग 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग इतनी विकराल रूप ले चुकी थी कि दूर से ही आग की लपटे देखी जा सकती थी। मुंबई साड़ी सेल के मालिक इलियास अंसारी के मुताबिक लगभग 60 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है फिलहाल शॉर्ट सर्किट आग की वजह हो सकती है। जिस स्थान पर यह आग लगी उसके आसपास कपड़ों की कई दुकाने हैं गनीमत यह रही की बाकी सभी दुकानें पूरी तरह से सुरक्षित है। घटना की जानकारी लगते ही आसपास के दुकान वाले भी मौके पर पहुंच गए और अपनी.अपनी दुकान को लेकर चिंता जाहिर करने लगे।

हरदोई के मशहूर मीट व्यापारी कोतवाली शहर की पुलिस के गिरफ्त में

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। खलील अहमद व जलील अहमद अवैध रूप से पशुओं का काटकर उनका मांस बेचने का कारोबार करते थे। पुलिस को सूचना मिलते ही हरदोई शहर कोतवाली की पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। जलील अहमद निवासी रद्दे पुरवा रोड को पुलिस ने मौके पर गिरफ्तार किया। खलील अहमद की तलाश जारी है। साथ ही मौके से कई जिंदा पशु व मृतक पशुओं की खाले बरामद की गई। अन्य अभियुक्तों की तलाश जारी है।

मामूली विवाद में लाइसेंसी पिस्टल सीने पर तनी

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना कोतवाली शहर के मोहल्ला कैनाल नगर रोड पर उसे समय अपराध अपनी बच गई जब वहां पर स्थित प्रेम भवन की गली में कोतवाली शहर के ही निवासी दीपक शुक्ला ट्राली से मालवा हटा रहे थे उसी समय उसी मोहल्ले के निवासी अक्षत पांडे रास्ते को लेकर उलझ गए और स्थिति यहां तक पहुंच गई कि उन्होंने उक्त दीपक को घसीट कर मारना शुरू कर दिया और अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर उसके सीने पर लगा दी किसी तरह से मन मनोहर कर घटना को होने से उसने बचा लिया उसके बाद पीड़ित पक्ष के द्वारा थाने कोतवाली शहर में उक्त आरोपित व्यक्ति के विरुद्ध प्रार्थना पत्र दिया गया जिसमें पुलिस ने प्राथमिक की दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है गौरतलब है कि थाना कोतवाली शहर के अंतर्गत हुई इस घटना की चर्चा शहर में आम हो गई है।

पति सहित सात के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला सिकंदरपुर कल्लू निवासी पति समेत सात लोगों के विरुद्ध कोतवाली पुलिस ने दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बघौली थाना क्षेत्र के ग्राम मसीत निवासी आरती पुत्री नत्थाराम के अनुसार उसका विवाह करीब पांच वर्ष पूर्व शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला सिकंदरपुर कल्लू निवासी लालराम के पुत्र विजय सक्सेना के साथ हुआ था। विवाह के कुछ दिन बाद से ही पति, ससुर, सास राजवती, ननद रंजना और रेनूएजेठ वीरू उसकी जेठानी अतिरिक्त दहेज में बाइक, सोने की जंजीर और बीस हजार रुपए की मांग को लेकर आयदिन प्रताड़ित करते हैं। पति ने किसी औरत से दूसरा विवाह कर लिया है, और पीड़िता अपने पिता के घर रह रही है। ससुराल वाले बिना अतिरिक्त दहेज लाए घर में न घुसने की धमकी दे रहे हैं। विवाहिता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक चालक पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भदासी निवासी साइकिल सवार को टक्कर मारकर घायल करने वाले बाइक चालक के विरुद्ध कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। भदासी निवासी पातीराम के अनुसार उसका पुत्र आशीष 7 जून की रात करीब 8:30 बजे कस्बे से सामान लेकर गांव निवासी रूपकुमार के साथ साइकिल से घर आ रहा थाए रास्ते में पीछे से आ तेज रफ्तार बाइक संख्या यूपी 30 बीए 3387 के चालक ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी, जिससे दोनों साइकिल सवार घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी भेजा गया। जहां उनका उपचार किया गया। पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

बिजली चोरी करते हुए रंगे हांथो आठ पकड़े गए

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नगर में विद्युत विभाग की टीम ने मोहल्ला महमंद में छापा मारकर आठ लोगों को बिजली चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा। एसडीओ शशांक मौर्य और अवर अभियंता पंकज जयसवाल ने विद्युत विभाग की टीम के साथ कस्बे के मोहल्ला महमंद में छापा मारकर सलीम मोहम्मद, इस्लाम,शाहाना बेगम, फ्रीम, मुन्ना,,सबिया, रईस और शबलू को कटिया डाल कर बिजली चोरी करते हुए पकड़ लिया। एसडीओ ने बताया पकड़े गए सभी लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी।

दो बाइक आमने-सामने टकराई, एक बाइक सवार घायल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के सिनेमा चौराहे पर लगातार दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही हैं परंतु लाख शिकायतों के बाद भी नगर पालिका प्रशासन द्वारा सिनेमा चौराहे पर स्पीड ब्रेकर नहीं बनवाये जा रहे हैं। बुधवार की दोपहर 12रू30 बजे दो तेज रफ्तार बाइक सवार आमने.सामने से टकरा गए जिसमें एक बाइक सवार केशव 18 वर्ष पुत्र राजन निवासी बरुआ बाजार गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई। दूसरा बाइक सवार फ़रार हो गया। घायल केशव को सिनेमा चौराहे के निकट के ही एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। स्पीड ब्रेकर न होने की वजह से सिनेमा चौराहे पर लगातार दुर्घटनाएं बढ़ रही है परंतु पालिका प्रशासन की ओर से सिनेमा चौराहे पर स्पीड ब्रेकर बनाने की व्यवस्था नहीं की जा रही है।

संडीला ज्वाइन होते ही सीओ ने जारी किया एजेंडा, गांवों में 11 बजे के बाद बेवजह घूमने पर होगी कार्रवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना

भरावन (हरदोई)। बुधवार को पहले ही दिन अतरौली थाना क्षेत्र में भ्रमण करते हुए नवागान्तुक क्षेत्राधिकारी सन्डीला सन्तोष कुमार सिंह ने कहा कि गांवों में लोग ज्यादातर 9 बजे सो जाते हैं। बेवजह घूमने वालों पर पुलिस नजर रखे। रात्रि में 11 बजे के बाद बेवजह घूमने वालों से सघन पूंछताछ करें और संदिग्ध लगे तो तत्काल कार्रवाई करें। ऐसे लोगों को किसी भी हालत में बक्सें नहीं। थाना क्षेत्र की सीमा पर गस्त बढ़ा दी जाय। देर रात आने जाने वालों पर नजर रखें। पुलिस अपराधियों पर नजर बनाए रखे। जनता से भी अपील है कि संदिग्ध लोगों की सूचना अपने थाने, चौकी, बूथ, या फोन पर भी दे सकते पुलिस आपकी सहायता में अवश्य पहुंचेगी। साथ रहें, सचेत रहें।

आबकारी एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने मझिला क्षेत्र में पकड़ी 150 लीटर कच्ची शराब

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। जिलाधिकारी अनुनय झा के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बुधवार को आबकारी एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने महिला थाना क्षेत्र के लोकपुर गांव में दबिश दी। टीम ने बड़ी मात्रा में कच्ची शराब और लहन बरामद कियाए लहन को मौके पर ही नष्ट कर तथा एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

आबकारी निरीक्षक क्षेत्र संख्या दो शाहाबाद आनंद कुमार श्रीवास्तव ने मझिला थाना पुलिस के साथ बुधवार को क्षेत्र के लोकपुर गांव में आकस्मिक दबिश दीए दबिश के दौरान टीम को 150 लीटर अवैध कच्ची शराब एवं 600 किलोग्राम लहन बरामद हुआ। टीम ने कच्ची शराब को कब्जे में लेकर लहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया। कच्ची शराब के कारोबार से जुड़े वीरेंद्र पुत्र ब्रज किशोर निवासी ग्राम लोकपुर को गिरफ्तार किया गया, जिसके विरुद्ध आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में थाना मझिला पर मुकदमा दर्ज कराया गया। आबकारी निरीक्षक ने बुधवार शाम करीब पांच बजे बताया कि डीएम के निर्देश पर यह अभियान बीती 6 जून से शुरू किया गया था, जो 20 जून तक चलेगा।

■ 600 किलोग्राम लहन मौके पर किया नष्ट, एक गिरफ्तार

मिशन शक्ति के तहत महिलाओ को किया गया जागरूक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

महिलाओ को जागरूक करती महिला सिपाही विनीता फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

बेनीगंज (हरदोई)। महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के शिवथानाए हुसेपुरए अल्हादादपुर मे बुधवार को कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें महिलाओ को महिला पुलिस कर्मियों ने जागरूक किया। महिला सिपाही विनीता ममता सिंह, पुष्पा यादव, पुनीता ने कहा कि मुश्किल में छात्राएं हेल्पलाइन नंबर डायल करेंए मदद जरूर मिलेगी। महिला सिपाही विनीता ममता सिंह, पुष्पा यादव, पुनीता ने कहा कि किसी भी व्यक्ति द्वारा छींटाकशी, छेड़खानी, सोशल मीडिया से परेशान करना या अनजान व्यक्ति पर किसी प्रकार का संदेह होने पर तत्काल 1090 व 112, 1076 सहित अन्य मोबाइल नंबरों पर फोन करके सूचना दें। पुलिस को सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। थाने पर महिला हेल्प डेस्क है, जिस पर महिला पुलिस अधिकारी व कर्मचारी हमेशा मौजूद रहती हैं। थाने पर जाकर अपनी समस्या से अवगत करा सकती हैं। इस दौरान एसआई रितेश चौहान, एसआई देवेश, सिपाही अश्वनी, कृष्णचंद्र, शुभम यादव, कपिल कुमार आदि मौजूद रहे।

बिजली विभाग से आजिज हो किसानों ने किया पावर हाउस पर धरना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

भरावन (हरदोई)। विकास खंड भरावन के ग्राम पंचायत भटपुर के मजरा कटका कला में ढाई सौ विद्युत कनेक्शन धारकों में मात्र 25 केवीए का ट्रांसफार्मर होने की वजह से आय दिन वह जल जाता है और विद्युत आपूर्ति बाधित रहती है। विगत 9 दिनों से यहां की विद्युत आपूर्ति बाधित है जिससे आक्रोशित हो किसानों ने भारतीय किसान मजदूर यूनियन ;सर्व समाज द्धके बैनर तले बुधवार को जखवा पावर हाउस पर धरना प्रदर्शन किया जिसमें दर्जनों किसान चिलचिलाती धूप में संगठन के नेता भूपेंद्र सिंह के साथ बैठे रहे उनको सुनने वाला कोई नहीं आया जे ई सूरज गुप्ता ने बताया कि हम ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने के सक्षम अधिकारी नहीं हैं एएसडीओ संडीला से बात करनी होगी जिस पर भूपेंद्र ने एसडीओ को फोन किया तो फोन पर जवाब प्राप्त हुआ कि ट्रांसफार्मर हम अपने घर से देंगे क्या इसके लिए इस्टीमेट बनवाइ, अन्यथा इंतजार कीजिए हम सर्वे करवाते हैं। जबकि पिछले 9 दिनों से आपूर्ति बंद है इस पर सक्षम अधिकारी कोई भी सर्वे नहीं कर सके। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी मारकंडेय सिंह व जे ई को को लिखित ज्ञापन सौंपा गया जिसमें मजरे के गांव कूडा, देवरी, संगमपुर में भी ऐसी ही समस्याएं हैं। साथ दिन भर अनावश्यक शटडाउन से भी आपूर्ति में आ रही समस्या पर विचार हेतु। जिनके निदान हेतु लिखा है साथ एक सप्ताह की समय सीमा भी तय की है यदि ऐसा नहीं हुआ तो संगठन एसडीओ संडीला कार्यालय पर घेराव हेतु विचार करेगा जिसका दायित्व विद्युत विभाग का होगा। जर्जर लाइनों से परेशान किसान आए दिन दुर्घटनाओं के शिकार होते हैं किंतु विद्युत विभाग सुनी अनसुनी कर रहा है। करीब चार बजे जे ई ने पंद्रह दिन में कार्य करवाने का आश्वासन देते हुए 25 केवीए का ट्रांसफार्मर तब तक के लिए तत्काल भेजा जिससे धरना समाप्त हो गया।

आकांक्षा समिति बैठक हुई आहूत

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। उप जिलाधिकारी शाहाबाद ने बताया है कि 13 जून 2025 को सायंकाल 04 बजे से जिला आकांक्षा समिति हरदोई की बैठक विकास भवन सभागार मे मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता मे आहूत की गयी है। उन्होंने सम्बन्धित से अनुरोध किया है कि उक्त बैठक हेतु नियम तिथि व समय पर उपस्थित होने का कष्ट करें।

बेवफाई के सनम

पिछले एक पखवाड़े में इंदौर से विवाह के तुरंत बाद मेघालय हनीमून पर गए राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम के अचानक लापता होने की गुत्थी ने पूरे देश का ध्यान खींचा। हालांकि, 23 मई को लापता होने के बाद राजा का शव दो जून को बरामद हो गया था, लेकिन सोनम के लापता होने की घटना निरंतर देशवासियों को परेशान करती रही। यहां तक कि मेघालय के लोगों के शेष भारत के लोगों के साथ कथित आक्रामक व्यवहार के नाम पर मेघालय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अतिरंजित टिप्पणियां तक की जाती रहीं। लेकिन मेघालय पुलिस की गहन छानबीन के बाद इंदौर के तीन लोगों की गिरफ्तारी के बाद सोनम का उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस के समक्ष समर्पण करना, इस पूरे कंाड की कहानी ही बदल देता है। सवाल उठे कि मेघालय के जिस ईस्ट खासी हिल्स जिले में राजा का शव मिला वहां से एक हजार किलोमीटर से अधिक दूरी पर उ.प्र. के गाजीपुर सोनम कैसे पहुंची। अब इस रहस्यमय मामले पर से मेघालय, उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश की पुलिस पर्दा उठाने की कोशिश में है। इंदौर के राजा दंपति का हनीमून मनाने मेघालय जाना, फिर दोनों का गायब होना, राजा का शव बरामद होना तथा सोनम के लापता होने का घटनाक्रम किसी फिल्मी कहानी की तरह आगे बढ़ता रहा। अब सोनम के परिजन उसे बेगुनाह बताने की कोशिश में हैं तो राजा का परिवार दोषियों को सजा देने की मांग कर रहा है। लेकिन सारे मामले में सोनम की भूमिका, उसके पिता की फर्म के कर्मचारी की गिरफ्तारी तथा सोनम की रहस्यपूर्ण ढंग से गाजीपुर पहुंचने की कहानी कई संदिग्ध सवालों को जन्म दे रही है। लोगों के दिमाग में सवाल हैं कि दोनों परिवारों की सहमति से 11 मई को हुई शादी का यह दुखांत क्यों? हालांकि, राजा की हत्या बहुत ही सुनियोजित तरीके से की गई, लेकिन गाइड द्वारा राजा-सोनम के साथ तीन अन्य लोगों की उपस्थिति की बात ने मेघालय पुलिस को हत्या के तार जोड़ने में मदद की। दरअसल, शिलांग पुलिस ने बताया था कि इंदौर के एक व्यक्ति की हत्या में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें हनीमून के दौरान हत्या की साजिश रचने वाली उसकी पत्नी भी शामिल है। अब तक रहस्यमय तरीके से लापता बहू के मिलने की प्रतीक्षा कर रहे राजा के परिवार को हकीकत जानकर सदमा लगा है। मेघालय पुलिस के दावे के बाद उन्होंने सोनम की तसवीरें जलाकर गुस्सा जाहिर किया है। सार्वजनिक विमर्श में ये सवाल उठाये जा रहे हैं कि जब दोनों परिवारों की सहमति से विवाह हुआ तो यह दुखांत क्यों? हाल के दिनों में मेरठ व देश के अन्य भागों में प्रेमी से मिलकर पति की हत्या करने के कई मामलों ने विवाह संस्था पर मंडराते संकट पर चिंता बढ़ाई है। सवाल उठा है कि परिवार की सहमति से धूमधाम से विवाह रचाने वाली सोनम ने आखिर ऐसा घातक कदम क्यों उठाया? जैसा कि बताया जा रहा है कि उसने अपने पुराने प्रेम संबंधों के लिये राजा को अपनी राह से हटाया। उसने खुद ही मेघालय की फ्लाइट बुक की और सुनियोजित तरीके से भारी-भरकम गहनों के साथ कथित हनीमून पर निकली। कभी पति-पत्नी के जिन रिश्तों को जन्म-जन्मांतर का साथ बताया जाता था, उन्हें हाथ की मेहंदी सूखने से पहले कत्ल किया जाना, हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता व अविश्वास को ही उजागर करता है। आखिर क्यों विवाह से पूर्व आरोपी ने घर वालों को दो टूक नहीं कहा कि वह किसी और से प्यार करती है? क्या उसे कथित अपने प्यार को पाने के लिये राजा की जान लेनी जरूरी थी? क्यों अपने व ससुराल पक्ष के लाखों रुपये शादी के नाम पर यूं ही जाया किये? घर में शादी की रौनक के बीच बेटे की लाश के आने का गम राजा के परिवार को सालों साल सालता रहेगा। निश्चित रूप से यह घटना करोड़ों रिश्तों में एक हुई है, लेकिन समाज में अविश्वास के बीज बोती तो नजर आती है। लोग ऐसी घटना का उल्लेख करते हुए होने वाले तथा हो चुके रिश्तों को संशय की दृष्टि से देखेंगे। जो किसी स्वस्थ समाज के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं हैं।

23 मई को लापता होने के बाद राजा का शव दो जून को बरामद हो गया था, लेकिन सोनम के लापता होने की घटना निरंतर देशवासियों को परेशान करती रही। यहां तक कि मेघालय के लोगों के शेष भारत के लोगों के साथ कथित आक्रामक व्यवहार के नाम पर मेघालय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अतिरंजित टिप्पणियां तक की जाती रहीं। लेकिन मेघालय पुलिस की गहन छानबीन के बाद इंदौर के तीन लोगों की गिरफ्तारी के बाद सोनम का उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस के समक्ष समर्पण करना, इस पूरे कंाड की कहानी ही बदल देता है। सवाल उठे कि मेघालय के जिस ईस्ट खासी हिल्स जिले में राजा का शव मिला वहां से एक हजार किलोमीटर से अधिक दूरी पर उ.प्र. के गाजीपुर सोनम कैसे पहुंची।

रिश्तों के लाश पर खड़ा आधुनिक प्रेम

डॉ. सत्यवान सौरभ

रिश्ते, भ्रम और हत्या इंदौर के राजा की मेघालय में हनीमून के दौरान हत्या, उसकी नवविवाहिता पत्नी द्वारा प्रेमी संग मिलकर की गई निर्मम साजिश, आधुनिक प्रेम की भयावह हकीकत बन गई। यह घटना न केवल व्यक्तिगत विश्वासघात है, बल्कि सामाजिक मूल्यों, भावनात्मक अपरिपक्वता और विवाह संस्थान की खोखली होती जा रही नींव का संकेत है। सनसनी के बजाय संवेदना ज़रूरी है। यह हत्याकांड रिश्तों की शिक्षा, संवाद और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर विमर्श की माँग करता है। यह सिर्फ एक हत्या नहीं, समाज के गिरते रिश्तों का आईना है।

इंदौर के राजा और मेघालय की सोनम के हनीमून पर हुई हत्या की घटना न केवल व्यक्तिगत त्रासदी है, बल्कि सामाजिक, नैतिक और मानसिक स्तर पर गहरी चिंता पैदा करती है। यह अपराध आधुनिक प्रेम और विवाह संबंधों में फैलते अविश्वास और स्वार्थ की भयावह तस्वीर पेश करता है। साथ ही, मेघालय जैसे पर्यटन स्थलों की छवि भी प्रभावित होती है। ऐसी घटनाएँ भावनात्मक शिक्षा, रिश्तों में पारदर्शिता और समाज के नैतिक मूल्यों की पुनर्समीक्षा की मांग करती हैं। भारत के सामाजिक परिदृश्य में प्रेम, विवाह और रिश्तों को पवित्र बंधन माना जाता रहा है। लेकिन जब हनीमून जैसी कोमल, सुंदर और विश्वास से भरी यात्रा हत्या का मंच बन जाए, तो यह सिर्फ एक अपराध नहीं होता, यह पूरे समाज की अंतरात्मा पर चोट करता है। इंदौर के राजा और मेघालय की सोनम का हनीमून मर्डर केस केवल एक युवक की जान नहीं ले गया, उसने नॉर्थ ईस्ट की छवि को भी कलंकित किया, टूरिज्म सेक्टर पर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए और सबसे बड़ी बात – विश्वास की नींव पर टिके रिश्तों को ध्वस्त कर दिया। इंदौर निवासी युवक राजा की शादी हाल ही में सोनम नामक युवती से हुई। नवविवाहित जोड़ा हनीमून मनाने मेघालय पहुंचा। वहाँ की खूबसूरत वादियों, शांत झीलों और पहाड़ी रास्तों के बीच ऐसा कुछ हुआ जिसकी कल्पना कोई नहीं कर सकता था। हनीमून के बहाने सोनम ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की योजना बनाई और उसे अंजाम भी दे डाला। शुरुआत में राजा का गायब होना एक दुर्घटना माना गया। लेकिन जब पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई, मोबाइल लोकेशन, चैट्स, बैंक ट्रांजैक्शन और सीसीटीवी फुटेज सामने आए, तब जाकर पूरी साजिश बेनकाब हुई। सवाल यह है कि एक नवविवाहिता ऐसा क्यों करती है? जवाब आसान नहीं है, पर चिंतन जरूरी है। यह मामला केवल व्यक्तिगत धोखा नहीं, समाज की उस बनती मानसिकता का भी परिणाम है, जिसमें रिश्तों में धैर्य, संवाद और समर्पण की जगह जल्दबाजी, लालच और अवसरवाद ने ले ली है। सोनम पहले से एक अन्य युवक से प्रेम करती थी, और राजा से विवाह सिर्फ परिवार या आर्थिक मजबूरियों के चलते हुआ। लेकिन विवाह के बाद भी उसने उस प्रेमी को छोड़ा नहीं, बल्कि पति को रास्ते से हटाने की योजना बना डाली। आज के दौर में रिश्तों की शुरुआत इंस्टाग्राम और स्नैपचैट से होती है, और अंत क्राइम पेट्रोल या पुलिस स्टेशन पर। भावनात्मक गहराई, एक-दूसरे को समझने का समय और परख की प्रक्रिया लगभग न के बराबर रह गई है। विवाह को लेकर जिस जल्दबाजी और सामाजिक दबाव की संस्कृति बन गई है, उसमें युवक-युवती को खुद की इच्छाओं और संबंधों को समझने का समय ही नहीं मिलता। भावनात्मक अपरिपक्वता, आत्मकेंद्रित निर्णय और रिश्तों के प्रति गैर-जिम्मेदारी, इन सबका सम्मिलन इस हत्याकांड जैसी घटनाओं को जन्म देता है। यह घटना मेघालय के खूबसूरत पर्यटन स्थलों जैसे शिलॉंग, चेरापूंजी, डावकी, उमगोट नदी आदि की छवि पर भी असर डाल गई। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने इसे मेघालय हनीमून मर्डर केस कहना शुरू कर दिया, जिससे नॉर्थ ईस्ट राज्यों के प्रति अनावश्यक संदेह और डर का वातावरण बन रहा है। लेकिन प्रश्न यह हैः क्या एक महिला की निजी आपराधिक साजिश पूरे क्षेत्र को बदनाम कर सकती है? उत्तर है – नहीं। यह वही मानसिकता है जो किसी मुस्लिम अपराधी को देख पूरे धर्म पर टिप्पणी कर देती है, या किसी एक दलित व्यक्ति के कारण पूरी जाति को दोषी ठहराती है। यह सोच भी उतनी ही खतरनाक है जितनी खुद वह घटना। शादी अब समझौता नहीं, सौदा बन रही है। प्रेम अब समर्पण नहीं, स्वार्थ बन गया है। और भरोसा अब भावना नहीं, बिजनेस जैसा व्यवहार हो गया है। जिस तरह से सोनम ने योजनाबद्ध तरीके से पति की हत्या की, वह दिखाता है कि क्रूरता अब हथियार से नहीं, रिश्तों के माध्यम से भी हो रही है। मीडिया ने इस घटना को सनसनीखेज ढंग से दिखाया। शीर्षक आए – ''हनीमून बना हत्याकांड का अड्डा'' ''बेवफा बीवी की खूनी प्लानिंग'' ''राजा गया, सोनम हँसी लेकिन इन सुर्खियों के पीछे की वास्तविक पीड़ा, राजा के माता-पिता का दुःख, और समाज में बनती विडंबनाओं की चर्चा लगभग नदारद रही। सोशल मीडिया पर भी मामला जल्दी ही मेमे और चुटकुलों का विषय बन गया – ल्लपूरा नॉर्थ ईस्ट सोनम की बेवफाई से बदनाम हो गया।ङ्क ल्लहनीमून पर जाने से पहले पुलिस वेरिफिकेशन जरूरी कर लो। यह हास्य के नाम पर एक मानवीय त्रासदी का उपहास है। कुछ लोग कह सकते हैं कि यह एक अलग-थलग मामला है। लेकिन सच यह है कि ऐसे रिश्ते-जनित अपराध बढ़ रहे हैं। कहीं पति पत्नी को दहेज के लिए मार रहा है। कहीं पत्नी प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर रही है। कहीं दोनों मिलकर बच्चों को मार डालते हैं। यह सब संकेत हैं – कि हमारा समाज कहीं न कहीं भावनात्मक पतन, सामाजिक अस्थिरता और नैतिक विघटन की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में अब सवाल समाधान का है। स्कूलों और कॉलेजों में सिर्फ करियर या डिग्री की बात न हो, बल्कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता (emotional intelligence), रिश्तों की समझ, संवाद की कला और वैवाहिक जीवन की जिम्मेदारियों की चर्चा हो। जैसे स्वास्थ्य चेकअप होता है, वैसे ही शादी से पहले मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग अनिवार्य हो। सोशल मीडिया को ऐसी घटनाओं को सनसनी नहीं, संवेदना के साथ पेश करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। परिवारों को संवादशील बनना होगा, ताकि युवा खुलकर अपनी उलझनों को साझा कर सकें। जब एक युवती अपने पति की हत्या करती है, तो हम उसे ''डायन'', ''खूनी'', ''बेवफा'' कह देते हैं – और सही भी है, अगर वह दोषी है। लेकिन क्या हमने कभी उन हज़ारों बेटियों की सुध ली जो दहेज, बलात्कार, या मारपीट में मर जाती हैं? क्या हम अपराध को सिर्फ लिंग के आधार पर देखेंगे या सिद्धांतों और संवेदनाओं के आधार पर? राजा की हत्या कोई फिल्मी सस्पेंस नहीं, यह हकीकत है। एक मां का बेटा गया, एक बहन का भाई और एक परिवार की खुशियाँ छिन गईं। वहीं दूसरी ओर – एक राज्य बदनाम हो गया, और पूरे पर्यटन क्षेत्र पर प्रश्नचिन्ह लग गया। हम इस घटना को केवल एक अपराध के रूप में न देखें, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी के रूप में लें। यह हमें बताती है कि अब वक्क़्त आ गया है – जब हमें केवल रिश्ते जोड़ने की नहीं, उन्हें निभाने की शिक्षा भी देनी होगी।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध का मुकाबला करने के लिए बैक्टीरियोफ़ेज का उपयोग करना

विजय गर्ग

तेजी से, एंटीबायोटिक्स काम नहीं करते क्योंकि बैक्टीरिया ने प्रतिरोध विकसित किया है। इसका अनुमान है विश्व स्तर पर, लगभग मिलियन लोग एक से संबंधित शर्तों से मर रहे हैं हर साल रोगाणुरोधी प्रतिरोध। यह 2050 तक दोगुना हो सकता है। यह एक मूक महामारी है। क्या उपाय है? बड़े पैमाने पर, दवा कंपनियों ने नई एंटीबायोटिक दवाओं के विकास में रुचि खो दी है। जबकि कैंसर के लिए एक दवा का उपयोग लंबे समय तक किया जाता है, एंटीबायोटिक्स कुछ ही दिनों के लिए दिए जाते हैं। इसके अलावा, एएमआर की समस्या के कारण, प्रतिरोध के विकास को रोकने के लिए नए एंटीबायोटिक दवाओं का यथासंभव उपयोग किया जाता है। इसलिए, नई एंटीबायोटिक दवाओं पर काम करने के लिए कंपनियों के लिए कोई वित्तीय प्रोत्साहन नहीं है। कुछ दवा विकास हो रहा है, लेकिन शायद एएमआर समस्या को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं है। बैक्टीरियोफ़ेज हैं ‘अच्छे वायरस‘ जो स्वाभाविक रूप से बैक्टीरिया का शिकार करते हैं। वे हमारे चारों ओर हैं, में पानी, मिट्टी में, हमारी आंत में, हमारी त्वचा पर, आदि।

यदि किसी को मूत्र पथ का संक्रमण है, उदाहरण के लिए, पैथोलॉजी लैब की पहचान होगी जीवाणु होने के लिए, कहते हैं, एस्चेरिचिया कोलाई। यह एक दर्जन से अधिक के लिए रोगज़नक़ की संवेदनशीलता को भी निर्धारित करेगा एंटीबायोटिक दवाओं। यह द्वद्व है अगर जीवाणु कई या सभी दवाओं के प्रति संवेदनशील है। दुःस्वप्न परिदृश्य है जब यह सभी के लिए प्रतिरोधी है उन्हें। तेजी से, एंटीबायोटिक्स काम नहीं करते क्योंकि बैक्टीरिया ने प्रतिरोध विकसित किया है। इसका अनुमान है विश्व स्तर पर, लगभग मिलियन लोग एक से संबंधित शर्तों से मर रहे हैं हर साल रोगाणुरोधी प्रतिरोध। यह 2050 तक दोगुना हो सकता है। यह एक मूक महामारी है। क्या उपाय है? बड़े पैमाने पर, दवा कंपनियों ने नई एंटीबायोटिक दवाओं के विकास में रुचि खो दी है। जबकि कैंसर के लिए एक दवा का उपयोग लंबे समय तक किया जाता है, एंटीबायोटिक्स कुछ ही दिनों के लिए दिए जाते हैं। इसके अलावा, एएमआर की समस्या के कारण, प्रतिरोध के विकास को रोकने के लिए नए एंटीबायोटिक दवाओं का यथासंभव उपयोग किया जाता है। इसलिए, नई एंटीबायोटिक दवाओं पर काम करने के लिए कंपनियों के लिए कोई वित्तीय प्रोत्साहन नहीं है। कुछ दवा विकास हो रहा है, लेकिन शायद एएमआर समस्या को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं है। बैक्टीरियोफ़ेज हैं ‘अच्छे वायरस‘ जो स्वाभाविक रूप से बैक्टीरिया का शिकार करते हैं। वे हमारे चारों ओर हैं, में पानी, मिट्टी में, हमारी आंत में, हमारी त्वचा पर, आदि। माना जाता है कि यह 10 गुना है पृथ्वी पर बैक्टीरिया के रूप में कई चरण। लगभग एक सदी पहले बैक्टीरिया के संक्रमण के खिलाफ फ़ेज का इस्तेमाल होने लगा था, लेकिन एक बार खोजे जाने के बाद एंटीबायोटिक्स ने उन्हें सुपरसीड कर दिया। एक एंटीबायोटिक के विपरीत, चरण केवल एक विशेष जीवाणु के कुछ उपभेदों को मार सकते हैं। वहाँ- सामने, सोवियत ब्लॉक में केवल देश, एंटीबायोटिक दवाओं से कट ओ, जारी रखा उनका उपयोग करने के लिए। 100 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ जॉर्जिया के त्बिलिसी में एक संस्थान, अपनी फ़ेज विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध है। एएमआर के कारण, बाकी दुनिया अब चरणों की खोज कर रही है, और कई देशों में प्रासंगिक शोध जारी है। चरणों का उपयोग जलने, पैर के अल्सर, आंत में संक्रमण, श्वसन संक्रमण, मूत्र पथ के संक्रमण आदि के लिए किया गया है। दो मुख्य रणनीतियाँ हैं इस्तेमाल किया गया। एक, बैक्टीरिया को संक्रमित ऊतक से अलग करें, जांचें कि लैब में इसके खिलाफ कौन सा फ़ेज काम करता है, उस फ़ेज को अधिक बढ़ाएं, और इसे रोगी को प्रशासित करें। ये चरण किसी के स्वयं के फ़ेज बैंक से, या बहुत गंभीर मामलों में भी आ सकते हैं मदद के लिए दुनिया में कहीं और फ़ेज बैंकों से पूछें। ये प्राकृतिक चरण हैं। फिर आनुवांशिक रूप से इंजीनियर फ़ेज होते हैं, जिन्हें लैब में मोदी एड किया गया है, कहते हैं, विभिन्न प्रकार के बैक्टीरिया का विस्तार करते हैं जिन्हें वे मार सकते हैं। दुनिया एएमआर के लिए नए उपचार के तौर-तरीकों के लिए बेताब है। इस प्रकार, पश्चिमी दुनिया में किसी भी सरकार ने एक दवा के रूप में एक फ़ेज को मंजूरी नहीं दी है। लेकिन वे रोगियों को ‘अनुकंपा उपयोग‘ के रूप में चरणों का उपयोग करने की अनुमति दे सकते हैं, ''आपातकालीन उपयोग का विस्तार हुआ पहुंच, या ''विशेष पहुंच मार्ग। ये अक्सर एकल, नामित रोगियों के लिए अनुमोदन होते हैं जो हताश आवश्यकता में होते हैं। उदाहरण के लिए, बेल्जियम में इस्तेमाल किया जाने वाला एक और मार्ग, ''मजिस्ट्रेट है मार्गङ्क जहां विशेष फार्मेसियों ‘यौगिक‘ एक फ़ेज स्पेसी कैली कर सकते हैं एक विशेष रोगी के लिए। नियामक सिरदर्द हल हो सकता है यदि निम्नलिखित परिदृश्य, जो जीन पॉल घ्द्बन्द्बथभ और बेल्जियम में सहयोगियों शोध कर रहे हैं, बाहर काम करता है । एक उपकरण बनाएं जिसमें निम्नलिखित सभी चरण आयोजित किए जा सकते हैंः बैक्टीरिया को संक्रमण से अलग करें, अनुक्रम अपने जीनोम, एआई का उपयोग यह निर्धारित करने के लिए करें कि कौन सा फ़ेज जीनोम काम करने की सबसे अधिक संभावना है, डिवाइस में खरोंच से फ़ेज बनाएं, और इसे मौके पर रोगी को प्रशासित करें। ऐसे परिदृश्य में, फ़ेज को दवा के रूप में विनियमित नहीं किया जाएगा। इसके बजाय डिवाइस को विनियमित किया जाएगा। और डिवाइस ही होगा नियमित रूप से उपयोग किए जाने वाले अणु होते हैं, जैसे न्यूक्लियोटाइड और एंजाइम जो फ़ेज को इकट्ठा करने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। एएमआर का पैमाना ऐसा है कि हमें इससे निपटने के लिए कई बड़ी पहलों की जरूरत है। यदि माइक्रोबायोलॉजिस्ट का एक समूह एआई का उपयोग करने वाली एक भव्य चुनौती की तलाश कर रहा है, तो निश्चित रूप से पिरने मार्ग एक खोज के लायक है?

पूर्वोत्तर को अराजकता में डाल सकती है हथियार नीति

डॉ. ज्ञान पाठक

हिमंत विस्वा शर्मा बांग्लादेश के पास सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वदेशी लोगों को हथियार देने के पक्ष में हैं। उन्होंने 29 मई, 2025 को स्पष्ट किया कि असम की नयी अस्त्र लाइसेंस नीति अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड की सीमा से लगे क्षेत्रों पर लागू नहीं होगी, क्योंकि ये क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील नहीं माने जाते हैं। उनके बयान से दो बातें उभर कर आईं - पहली, बांग्लादेश से लगे असम के सीमावर्ती क्षेत्र संवेदनशील हैंय और दूसरी, अन्य पूर्वोत्तर राज्यों से लगे सीमावर्ती क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील नहीं हैं, हालांकि ये क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से सीमा विवादों और सशस्त्र संघर्षों में शामिल रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बांग्लादेश से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे सीमावर्ती क्षेत्र संवेदनशील रहे हैं, और उनकी सरकार स्पष्ट रूप से इसका संकेत देती दिखती है।

पूर्वोत्तर भारत में सबसे मुखर हिंदुत्व चेहरा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा शर्मा, जिन्होंने अतीत में सांप्रदायिक आग को भड़काने का शौक दिखाया है, अब ऐसा लगता है कि उन्होंने हथियारों के संघर्ष की और भी भयानक आग के साथ खेलने का फैसला किया है, अगर राज्य में उनकी नयी हथियार नीति किसी भी तरह का संकेत देती है। उनके नेतृत्व में भाजपा के नेतृत्व वाली असम सरकार द्वारा नागरिकों के हाथों में अधिक हथियार देने का निर्णय पूरे पूर्वोत्तर में उग्रवादी और सांप्रदायिक हिंसा को और बढ़ायेगा, जो पहले से ही काफी समय से इस तरह के खतरे से पीड़ित है। हिमंत विस्वा शर्मा बांग्लादेश के पास सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वदेशी लोगों को हथियार देने के पक्ष में हैं। उन्होंने 29 मई, 2025 को स्पष्ट किया कि असम की नयी अस्त्र लाइसेंस नीति अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड की सीमा से लगे क्षेत्रों पर लागू नहीं होगी, क्योंकि ये क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील नहीं माने जाते हैं। उनके बयान से दो बातें उभर कर आईं - पहली, बांग्लादेश से लगे असम के सीमावर्ती क्षेत्र संवेदनशील हैंय और दूसरी, अन्य पूर्वोत्तर राज्यों से लगे सीमावर्ती क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील नहीं हैं, हालांकि ये क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से सीमा विवादों और सशस्त्र संघर्षों में शामिल रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बांग्लादेश से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे सीमावर्ती क्षेत्र संवेदनशील रहे हैं, और उनकी सरकार स्पष्ट रूप से इसका संकेत देती दिखती है। सवाल यह है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है? देश के हर नागरिक के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा की गारंटी भारत के संविधान द्वारा दी गयी है, और सरकारें इसकी गारंटी लेती हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग केवल इसलिए असुरक्षित हैं क्योंकि केंद्र अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करने में अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा है, और असम सरकार अपनी सीमा के भीतर भारतीय नागरिकों की सुरक्षा करने में असमर्थ है। केंद्र और असम में भाजपा सरकार हमेशा बांग्लादेश से घुसपैठ रोकने की अपनी जिम्मेदारी विपक्ष पर डालने की कोशिश करती रही है, बार-बार देश को बताती रही है कि विपक्षी राजनीतिक दल अपने वोट बैंक के लिए बांग्लादेश से मुस्लिम घुसपैठियों को अनुमति देते रहे हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकारें क्या कर रही हैं - असम में 2016 से और केंद्र में 2014 से? बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले लोग यदि असुरक्षित हैं तो क्या यह उनकी सरकार की विफलता नहीं है? नागरिकों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। अगर सरकारें अपनी शक्तिशाली प्रशिक्षित सेना और सशस्त्र पुलिस बल के साथ सुरक्षा नहीं दे सकती हैं, तो नागरिक केवल हथियारों की आपूर्ति से खुद की रक्षा कैसे कर सकते हैं? नागरिक न तो खुद की रक्षा कर सकते हैं और न ही अपने हथियारों की। हमने हाल ही में मणिपुर में इसे देखा है, जहां विद्रोही या उग्रवादी समूहों द्वारा सशस्त्र बलों से हथियार लूटे गये थे। असम के मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से इससे कोई सबक नहीं लिया है। यही कारण है कि कैबिनेट नोट में कहा गया है कि नीति का उद्देश्य गैरकानूनी खतरों के लिए निवारक के रूप में कार्य करना और स्वदेशी समुदायों की व्यक्तिगत सुरक्षा और आत्मविश्वास में सुधार करना है। यह सरकार की गलत धारणा है, क्योंकि हमने पूरे देश में देखा है कि हथियार रखने वाले लोगों को उग्रवादी समूहों द्वारा केवल हथियार छीनने के लिए निशाना बनाया जाता है। हथियार आपूर्ति करने के बाद नागरिकों की सुरक्षा कौन करेगा? असम सरकार ने नयी हथियार नीति को मंजूरी देकर अप्रत्यक्ष रूप से स्वीकार किया है कि सरकार के सुरक्षा बल सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकों को सुरक्षा देने में असमर्थ हैं। शर्मा ने खुद कहा, श्बांग्लादेश में हाल ही में हुए घटनाक्रमों के कारण इन जिलों में मूल निवासी असुरक्षा के माहौल में रह रहे हैं। उन्हें बांग्लादेश की ओर से और यहां तक कि अपने ही गांवों से हमलों का खतरा है।श नयी हथियार नीति कथित तौर पर असम के धुबरी, नागांव, मोरीगांव, बारपेटा, गोलपारा और दक्षिण सलमारा-मनकाचर जिलों में लागू की जायेगी, जहां बांग्लादेश मूल के मुस्लिम बहुसंख्यक हैं और मूल निवासी अल्पसंख्यक हैं। शर्मा ने कहा है, सरकार पात्र लोगों को हथियार लाइसेंस देने में उदारता बरतेगी, जो मूल निवासी होने चाहिए और मूल निवासी समुदायों से संबंधित होने चाहिए। इसका क्या मतलब है? गैर-मुस्लिमों, स्वदेशी लोगों और मूल निवासियों यानी हिंदुओं को प्रभावी ढंग से हथियार मुहैया कराये जायेंगे। शर्मा ने जोर देकर कहा है कि नीति का उद्देश्य नागरिकों का सैन्यीकरण करना नहीं है, बल्कि 1985 से चली आ रही एक लंबे समय से चली आ रही मांग को संबोधित करना है, लेकिन किसी भी सरकार ने यह निर्णय लेने की हिम्मत नहीं की। हालांकि यह नीति सीमावर्ती क्षेत्रों के नाम पर लायी गयी है, लेकिन इसे पूरे राज्य में लागू किये जाने की संभावना है। शर्मा ने कहा, सरकार उन संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करेगी जहां हम स्वदेशी लोगों को उदार तरीके से हथियार लाइसेंस देंगे। गुवाहाटी के हाटीगांव जैसे क्षेत्रों को भी संवेदनशील क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया जा सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि ये उदारतापूर्वक प्राप्त हथियार असम के सभी क्षेत्रों और अन्य जगहों पर भी पहुंच सकते हैं। पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों, खासकर अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड के सीमावर्ती राज्यों में सशस्त्र हिंसा का खतरा बढ़ जायेगा। सीमा विवाद और संघर्ष के कारण अंतर-राज्यीय सीमा क्षेत्रों में सशस्त्र हिंसा का खतरा बढ़ जायेगा। हथियार उग्रवादी समूहों और विद्रोहियों के हाथों में भी पड़ सकते हैं, और गलत हाथों में भी। नागरिकों के हाथों में हथियार देना अत्यधिक जोखिम भरा है, जो राज्य के भीतर लोगों के विभिन्न समूहों के बीच हिंसा और सशस्त्र संघर्षों के प्रसार से कम नहीं है, और पूरे पूर्वोत्तर में भी, जो पहले से ही जातीय, उग्रवादी या विद्रोही हिंसा से पीड़ित है। भारत में माओवादी खतरे का मुकाबला करने के लिए छत्तीसगढ़ में नागरिकों को हथियार आपूर्ति करने का एक उदाहरण है, जिसके कारण 2000 के दशक में अराजकता फैल गयी थी। भारत के सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा और नीति को अवैध घोषित करना पड़ा। असम के मुख्यमंत्री ने शायद उससे भी कोई सबक नहीं सीखा। फिर अन्य मुद्दे हैं - जैसे सांप्रदायिक हिंसा के बढ़ते जोखिम और सशस्त्र नागरिकों द्वारा अन्य लोगों के खिलाफ सतर्कतावाद। असम और पूर्वोत्तर पहले से ही देश का बहुत संवेदनशील क्षेत्र है। जहां तक सांप्रदायिक, जातीय, उग्रवादी या विद्रोही हिंसा का सवाल है, उनका इस क्षेत्र में इतिहास रहा है। आत्मरक्षा के लिए कथित तौर पर नयी हथियार नीति के माध्यम से नागरिकों के विशिष्ट समूह को हथियार देकर, भाजपा की डबल इंजन सरकार नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने की अपनी मूल जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है, और लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से कानून अपने हाथ में लेने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। केंद्र और राज्य को अपनी सुरक्षा उपस्थिति बढ़ानी चाहिए और नागरिकों को हथियार देने की नीति को छोडना चाहिए। सरकार की सुरक्षा के अभाव में, नागरिकों के विशिष्ट समूह को हथियार देने का विचार सबसे खतरनाक खेल है।

आतंकवाद पर बोले डिप्टी सीएम सरकार दे रही मुंहतोड़ जवाब

- उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य वर्चुअली हुए कार्यक्रम में शामिल, सांसद साक्षी महाराज ने किए 71 विकास कार्यों का लोकार्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नवाबगंज(उन्नाव)। बुधवार को नगर पंचायत नवाबगंज में आयोजित एक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। उन्होंने तकनीकी माध्यम से उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि फिलहाल लखनऊ से 11 बजे के बाद कोई फ्लाइट नहीं चल रही है, क्योंकि मुझे वाराणसी के लिए रवाना होना था। इसी कारण मैं इस कार्यक्रम में वर्चुअली भाग ले रहा हूं।

उप मुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सरकार पूरी सख्ती से काम कर रही है और भारत अब किसी भी आतंकी गतिविधि का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि निकट भविष्य में अगर कोई कार्यक्रम आयोजित होगा, तो वे उसमें प्रत्यक्ष रूप से शामिल होंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित उन्नाव सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि अब तक आतंकियों को उचित जवाब नहीं दिया जाता था, लेकिन यह नया भारत है, जो हर वार का दो गुना जवाब देता है। उन्होंने कहा कि बीते 50 वर्षों में देश में जो नहीं हुआ, वह कार्य मोदी सरकार ने करके दिखाया है। सांसद ने नगर पंचायत नवाबगंज में 6 करोड़ 76 लाख रुपये की लागत से कराए गए 71 विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष अरुण सिंह ने की। इस दौरान भाजपा के अवध क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा, जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान, सदर विधायक पंकज गुप्ता, पुरवा विधायक अनिल सिंह, गिरजा शंकर गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख नीरज गुप्ता, ज्ञानेंद्र सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष ज्योति रावत, विमल द्विवेदी, बालेंद्र सिंह समेत अनेक प्रमुख नेता मौजूद रहे। सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष दिलीप लश्करी, मंडल अध्यक्ष शशिकांत राजपूत, राजेंद्र द्विवेदी, मनोज पांडेय, सुशील श्रीवास्तव, अभिषेक गुप्ता, जगतपाल सिंह सहित भारी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

श्वास रोग से पीड़ित वृद्ध ने पेड़ से फांसी लगाकर की आत्महत्या

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नवाबगंज(उन्नाव)। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के मकूर गांव में बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब एक वृद्ध का शव आम के पेड़ से लटका मिला। मृतक की पहचान गांव निवासी सुंदर रैदास (65) पुत्र अग्नू रैदास के रूप में हुई है। उन्होंने अपने ही आम के बाग में लुंगी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ग्रामीणों ने जब पेड़ से शव लटकता देखा तो तत्काल परिजनों और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया और पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के बेटे मुकेश ने बताया कि उनके पिता लंबे समय से श्वास रोग से ग्रसित थे और इसी कारण मानसिक रूप से बेहद परेशान रहते थे। बुधवार सुबह वह बिना कुछ बताए घर से निकल गए थे। कुछ ही देर बाद उनकी आत्महत्या की सूचना मिली।अजगैन कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गांधी नगर तिराहे पर 1.77 करोड़ की लागत से होगा सौंदर्यीकरण

- सांसद व डीएम ने किया भूमि पूजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जनपद को एक नई सांस्कृतिक पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। गांधी नगर तिराहे पर 'कलम और तलवार' का प्रतीक स्थापित किया जाएगा, जो जिले की साहित्यिक और स्वतंत्रता संग्राम की विरासत को दर्शाएगा। बुधवार को सांसद साक्षी महाराज और जिलाधिकारी गौरांग राठी ने विधिवत भूमि पूजन कर इस महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत की। गौरतलब है कि गांधी नगर तिराहा, उन्नाव का प्रमुख चौराहा है, जो लखनऊ, कानपुर और रायबरेली मार्गों को जोड़ता है। प्रत्येक दिन हजारों लोग इस स्थान से गुजरते हैं, जिसे अब जिले का सांस्कृतिक स्वागत द्वार बनाने की योजना है। परियोजना की लागत 1 करोड़ 77 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें न केवल प्रतीकात्मक संरचना का निर्माण होगा, बल्कि तिराहे का समग्र सौंदर्यीकरण, सड़क चौड़ीकरण, फुटपाथ, जल निकासी व्यवस्था और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था भी शामिल है। सांसद साक्षी महाराज ने भूमि पूजन के बाद कहा कि यह प्रतीक 'कलम' के माध्यम से ज्ञान और साहित्यिक धरोहर, तथा 'तलवार' के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग और शौर्य का प्रतिनिधित्व करेगा। यह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और जिले के आत्मगौरव को सशक्त बनाएगा। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने बताया कि यह परियोजना उन्नाव को सांस्कृतिक और सौंदर्य की दृष्टि से नई पहचान देगी। एसपी दीपक भूकर सहित कई प्रशासनिक अधिकारी भी स्थल पर मौजूद रहे और कार्ययोजना की समीक्षा की।

पूर्व सभासद पर धोखाधड़ी और रंगदारी का आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- एसडीएम को सौंपा गया शिकायती पत्र
- जमीन बेचने के नाम पर महिला से 54 लाख का सौदा कर किया फर्जीवाड़ा
- कब्जा हटाने के नाम पर मांगे 15 लाख

शुक्लागंज(उन्नाव)। शहर के किदवई नगर, वाई ब्लॉक निवासी ज्योति अग्रवाल ने बुधवार को एसडीएम सदर को शिकायती पत्र सौंपते हुए पूर्व सभासद सहित चार लोगों पर धोखाधड़ी, रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने मामले की जांच कर आरोपितों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और अवैध कब्जा हटवाने की मांग की है। ज्योति अग्रवाल ने शिकायती पत्र में बताया कि वह उन्नाव जनपद के ग्राम खैरहा एहतमाली, परगना सिकंदरपुर सरौसी स्थित भूमि गाटा संख्या 57 ख, 58, 59 ख, 60, 61, 62, 63 क, 226 क, 227 क व 249 ख (कुल 10 किता) रकबा 0.1134 हेक्टेयर की मालिक हैं। उन्होंने बताया कि इस भूमि का सौदा शुक्लागंज निवासी एक पूर्व सभासद से 54 लाख रुपये में हुआ था, जिसमें शर्त थी कि 6-7 माह में प्लाटिंग कर जमीन बेच दी जाएगी और पूरा भुगतान कर दिया जाएगा।आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने महिला की जमीन में से करीब 250 वर्ग गज भूमि 15 लाख रुपये में दो अन्य लोगों को बैनामा करवा दी, लेकिन शेष भूमि की न तो रकम दी और न ही बैनामा कराया। बल्कि महिला की भूमि पर फर्जी तरीके से अन्य लोगों को कब्जा दे दिया गया। महिला ने जब इसका विरोध किया तो आरोपित अपने तीन अन्य साथियों के साथ मौके पर पहुंचा और गालीगलौज करते हुए जमीन खाली करने के नाम पर 15 लाख रुपये की रंगदारी की मांग करने लगा। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़िता ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपितों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

डेयरी संचालक युवती को भेजता था अश्लील मैसेज, मुकदमा दर्ज

मुरादाबाद। जिले के थाना मझोला क्षेत्र में दूध डेयरी के संचालक पर एक युवती को इंस्टाग्राम पर अश्लील मैसेज व फोटो भेजने के आरोप में बुधवार को मुकदमा दर्ज किया गया है। सिविल लाइंस क्षेत्राधिकारी कुलदीप गुप्ता ने बताया कि मझोला थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाली युवती के पिता ने दर्ज कराए केस में बताया कि संभल जिले के हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र के मुबारकपुर निवासी आरव चौधरी बुद्धि विहार में चौधरी नाम से दूध डेयरी चलाता है। पिता का आरोप है कि आरोपित आरव उसकी बेटी को लंबे समय से परेशान कर रहा है। आरोपित ने बेटी की इंस्टाग्राम आईडी और वाट्सएप पर अश्लील मैसेज और फोटो भेजता है। बेटी जब विरोध करती है तो धमकी देता है कि तेरे दोनों भाइयों की हत्या कर दूंगा। पीड़िता कहीं जाती है तो आरोपित रास्ते में मिल जाता है और छेड़खानी करता है। इससे तंग आकर पीड़िता ने घर से निकलना बंद कर दिया है। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि मामले में पीड़िता के पिता की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

जिला अस्पताल को मिली फायर फाइटिंग एनओसी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जिला अस्पताल को अग्निशमन सुरक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। दमकल विभाग ने अस्पताल के फायर फाइटिंग सिस्टम को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) जारी कर दी है। इससे अब अस्पताल में मरीजों, तीमारदारों और स्टाफ की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत हो गई है।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. रियाज़ अली मिर्ज़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि दमकल विभाग की टीम ने हाल ही में अस्पताल के फायर फाइटिंग सिस्टम का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों को पूरा पाया गया, जिसके बाद विभाग ने एनओसी जारी की। उन्होंने बताया कि अब स्वास्थ्य विभाग की इलेक्ट्रॉनिक टीम इस सिस्टम का तकनीकी परीक्षण करेगी। परीक्षण संतोषजनक पाए जाने पर इसे औपचारिक रूप से अस्पताल प्रशासन को सुपुर्द कर दिया जाएगा।

डॉ. मिर्ज़ा के अनुसार, अस्पताल में फायर अलार्म, वाटर हाइड्रेंट, पाइपलाइन, अग्निशमन यंत्र और आवश्यक उपकरण विभिन्न स्थानों पर लगाए गए हैं, जिनमें वार्ड, ओपीडी और इमरजेंसी विभाग प्रमुख हैं। यह व्यवस्था न केवल संभावित अग्निकांड की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया में सहायक होगी, बल्कि रोगियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को भी सुनिश्चित करेगी।

विशेषज्ञों के अनुसार, अस्पताल जैसी सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थाओं में फायर फाइटिंग सिस्टम का होना नितांत आवश्यक है। यह सुरक्षा मानकों के अनुपालन के साथ-साथ अस्पताल की विश्वसनीयता को भी बढ़ाता है। डॉ. रियाज़ अली मिर्ज़ा ने यह भी आश्वासन दिया कि इस सिस्टम का नियमित रखरखाव और परीक्षण सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे समय-समय पर इसकी कार्यप्रणाली प्रभावी बनी रहे। एनओसी मिलने के साथ ही उन्नाव जिला अस्पताल अब अग्नि सुरक्षा की दृष्टि से 'सुरक्षित श्रेणी' में आ गया है, जो न केवल प्रशासनिक दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि जनसामान्य के भरोसे को भी सुदृढ़ करता है। यह पहल अन्य सरकारी अस्पतालों के लिए अनुकरणीय मिसाल भी बन सकती है।

केंद्र सरकार के 11 वर्षों का कार्यकाल निराशाजनक : रामजी लाल सुमन

फिरोजाबाद। सपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन ने बुधवार को केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इतिहास पढ़ने की सलाह दी तो वहीं केंद्र की मोदी सरकार पर देश का सौहार्द बिगड़ने और दलित उत्पीड़न का आरोप लगाया। सांसद रामजीलाल सुमन बुधवार को फिरोजाबाद शहर में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के 11 वर्षों का कार्यकाल आम जनता के लिए निराशाजनक और हताशाजनक है। जनता ही असली पैमाना होती है। सरकार आंकड़ों से नहीं, जनविश्वास से चलती है। इन 11 वर्षों में सामाजिक सौहार्द बिगड़ा है। ग्वालियर हाईकोर्ट में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा अब तक न लगने पर उन्होंने नाराजगी जताई। राज्यसभा सांसद ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है, इसके लिए पूरी तरह से मध्यप्रदेश सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास असीमित ताकत होती है। सरकार को इस ताकत का उपयोग कर ग्वालियर हाईकोर्ट में बाबा साहेब की मूर्ति तत्काल लगवानी चाहिए। जब जयपुर हाईकोर्ट में मनु की मूर्ति लग सकती है तो फिर ग्वालियर कोर्ट में बाबा साहेब की मूर्ति क्यों नहीं लग सकती।

देश के इतिहास में मोदी सरकार का ये कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा : सुरेश खन्ना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर पहुंचे वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने मीडिया से बात करते हुए केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रहीं योजनाओं की जानकारी दी ।उन्होंने कहा कि देश के इतिहास में मोदी सरकार का ये कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश 53 हजार सात करोड़ रुपये का ब्याज देती है। अगर कर्ज़ा नही लेते तो एक्सप्रेस-वे कैसे बनता है। अब टोल टैक्स लेकर कर्ज़ा अदा करेंगे। उन्होंने कहा कि कर्ज़ा लेकर अगर ब्याज समेत पाटने की क्षमता है तो कर्ज़ा लेना गलत नही है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने राजभवन में मीडिया से बात करते हुए कहा कि उन्होंने कहा कि डेवलपमेंट कराने के लिए कर्ज़ा लेना पड़ता है। प्रदेश सरकार ने बहुत बड़ी-बड़ी योजनाएं शुरू कर रखी हैं। आज बड़े देश तरक्की पे इसलिए पहुंचे हैं। क्योंकि उन्होने बड़े से बड़ा रिस्क लिया ।कर्ज़ा लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलमेंट किया ।उत्तर प्रदेश वो राज्य है जहां एक लाख 12 हजार करोड़ रुपये कैपिटल निवेश है । इसका मतलब ये है कि नई संपति बनाकर उससे रोजगार देते हैं। जिसमे कैपिटल इवेस्ट ज्यादा होता है उसी बजट को अच्छा माना जाता है ।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने जो भी कर्ज़ा लिया उसको समय रहते चुकाया है । उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देश की राजनीति में पालिटिक्स परफार्मेंस लेकर आई है। 2014 से पहले भारत में भ्रष्टाचार, घोटाले और तुष्टीकरण की बात सामने आती थी। लेकिन अब विकास, अविष्कार और नवाचार की बातें होती है। पहले सरकारी योजनाओ के पैसे लोगों तक नही पहुंचते थे। लेकिन अब डायरेक्ट बैनिफिट के माध्यम से सीधे जनता के अकाउंट में पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले इलाज कराने के लिए सोचना पड़ता था और अब आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत अस्पतालों में निशुल्क इलाज हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले भारत इंपोर्ट पर आश्रित था लेकिन अब मेक इन इंडिया की ताकत से एक्सपोर्ट में लीड कर रहे हैं।

युवती के साथ दुकानदार पर छेड़छाड़ करने का आरोप

शाहजहांपुर। किराने की दुकान पर बच्चे को दिलाने गई युवती के साथ दुकानदार पर छेड़छाड़ करने का आरोप लगा है। विरोध करने पर दुकान के परिवार के लोग इकट्ठा हो गए और पीड़िता के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपी और उसके परिवार ने लाठी-डंडों से हमला किया। हंगामे का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिसमे कुछ लोग डंडे लेकर खड़े हैं और गाली-गलौज कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। थाना सदर बाजार के एक मोहल्ले की रहने वाली युवती बच्चे को पड़ोस की दुकान पर चीज दिलाने गई थी। थाने में दी गई तहरीर के अनुसार, घटना मंगलवार शाम करीब चार बजे की है। पीड़िता बच्चे को आईस्क्रीम दिलाने दुकान पर गई थी। आरोप है कि आइसक्रीम देते समय दुकानदार ने उसके साथ आपत्तिजनक बाते की और फिर उसको गलत तरीके से छूने लगा। विरोध करने पर आरोपी उसके साथ जबरदस्ती करने लगा।

सेना ने खाली कराई जमीन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में कैंटोमेंट की जमीन पर अवैध निर्माण को आर्मी के जवानों और पुलिस की मौजूदगी में गिराया गया। पुलिस और रक्षा संपरा विभाग के अधिकारी जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंचे तो अवैध निर्माण करने वाले विरोध करने लगे। पहले तो उनको समझाया गया लेकिन जब उन लोगों ने बात नही मानी तो आर्मी को भी मौके पर बुलाया गया। आर्मी के जवानों को देखकर विरोध करने वाले दूर दूर तक नजर नही आए। दरअसल सदर बाजार के रोडवेज बस अड्डे के पास कैंटोमेंट का क्षेत्र है। कैंटोमेंट की जमीन पर पिछले कुछ समय से कुछ लोगों ने अवैध निर्माण कर मकान और दुकाने तक बना ली थीं। जब आर्मी ने अवैध निर्माण हटाने के लिए उनसे वार्ता की तो उन लोगों ने कोर्ट में मुकदमा कर दिया। इस बीच रक्षा संपदा विभाग की तरफ से अवैध अतिक्रमण करने वालों को नोटिस भी दिए गए लेकिन उन लोगों ने उसका पालन नही किया। तीस मार्च को कोर्ट ने आदेश कर दिया था। न्यायलय का आदेश का पालन करते हुए पुलिस प्रशासन और आर्मी के जवानों के साथ रक्षा संपदा विभाग के अधिकारी जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंचे। यहां उन्होंने एक एक अवैध निर्माण को गिराना शुरू किया तो कुछ लोगों ने विरोध करने शुरू कर दिया। लेकिन जब आर्मी के जवान मौके पर पहुंचे तो अवैध निर्माण करने वाले वहां से चले गए। उसके बाद कई अवैध रूप से बनी दुकानो को गिराया गया।

> रक्षा संपदा विवाद के उपमंडल अधिकारी रामकुमार ने बताया कि जिस जमीन अवैध निर्माण हटाया गया वह आर्मी की है। रक्षा विभाग को इस भूमि की आवश्यकता है। सुरक्षा की दृष्टि से भी इसको हटाना जरूरी था। आर्मी की जमीन पर जहां जहां पर अवैध निर्माण किया गया उसको गिराया जाएगा।
>
> **रामकुमार रक्षा संपदा उपमंडल अधिकारी**

32 करोड़ की लागत से अस्तौली व बादलपुर में 33 केवी के बिजलीघर बनेंगे

- ग्रेनो प्राधिकरण की एसीईओ ने विद्युत कार्यों की समीक्षा की
- जलपुरा गौशाला व इकोटेक-3 में हाईमास्ट लाइटें लगेंगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अस्तौली व बादलपुर में 33/11केवी के बिजलीघर बनाने का निर्णय लिया है। इन दो बिजलीघरों को बनाने और लाइन बिछाने में करीब 32 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके साथ ही जलपुरा गौशाला में विद्युतीकरण व हाईमास्ट लाइट और ईकोटेक-3 के उद्योग केंद्र-1, रिजर्व पुलिस लाइन, ट्वॉय सिटी, महिला उद्यमी पार्क पार्ट-1 व टू में हाईमास्ट लाइटें व स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी।

दरअसल प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने ओएसडी अभिषेक पाठक के साथ ग्रेटर नोएडा में चल रहे विद्युत कार्यों की समीक्षा की। प्राधिकरण के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग की तरफ से बताया गया कि अस्तौली व बादलपुर में 33/11केवी के बिजलीघर का बनाने के लिए कागजी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। दोनों ही सब-स्टेशनों के निर्माण के लिए टेंडर निकाल दिए गए हैं। इसी माह के अंत तक टेंडर खुल जाएंगे। दोनों सब स्टेशनों के निर्माण और लाइन बिछाने के कार्यें पर लगभग 32 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इन बिजलीघरों के निर्माण में लगभग एक साल लग जाएंगे। इन दोनों बिजली घरों के बनने से न सिर्फ अस्तौली और बादलपुर बल्कि आसपास के एरिया में भी बिजली आपूर्ति और बेहतर हो जाएगी। समीक्षा बैठक में एसीईओ प्रेरणा सिंह ने तय समय सीमा में कार्य शुरू कराने और पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जलपुरा गौशाला का विद्युतीकरण व हाईमास्ट लाइट और इकोटेक-3 के उद्योग केंद्र-1, रिजर्व पुलिस लाइन, ट्वॉय सिटी, महिला उद्यमी पार्क पार्ट-1 व टू में हाईमास्ट लाइटें व स्ट्रीट लाइट भी लगाई जाएंगी। इन दोनों कार्यों पर लगभग 3.91 करोड रुपए खर्च होने का अनुमान है। एसीईओ ने इन कार्यों को भी तय समय में ही पूरा करने को कहा है। उन्होंने विद्युत अभियांत्रिकी विभाग की तरफ से किए जा रहे अन्य कार्यों की भी समीक्षा की। समीक्षा बैठक में तकनीकी कंसल्टेंट आरके जायसवाल, वरिष्ठ प्रबंधक रामचरण, सौरभ भारद्वाज और अश्विनी चतुर्वेदी, मैनेजर निखिल गुप्ता, अजीत भाई पटेल, विपिन बिहारी राय व अन्य मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

1	ई निविदा सूचना संख्या	[illegible]
3	अनुमानित लागत	[illegible]
4	बयाना राशि	[illegible]
5	कार्य पूर्ण करने की अवधि	24 माह
7	प्रस्ताव की वैधता	निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन
8	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	www.ireps.gov.in

OEM and their authorised dealers. OR Manufacturer of Tower Wagons. OR Five years experience Repair/Overhauling of engines of same capacity and above.

www.ireps.gov.in

दिनांक 10.06.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1737/2025

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना में शुद्धि पत्र – 01

निविदाकर्ता के लिए आवश्यक विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

दिनांक 11.06.2025 1748/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

विशेष रेलगाड़ी सं. 04216/04215 की समय–सारणी में संशोधन

सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा रेलगाड़ी सं. 04216/04215 सुल्तानपुर जं.–साबरमती–सुल्तानपुर जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस की समय–सारणी में संशोधन करने का निर्णय लिया गया है जिसका विवरण निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ी सं. 04216/04215 सुल्तानपुर जं.-साबरमती-सुल्तानपुर जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस — 06 फेरे

गाड़ी सं. 04216 आगमन	गाड़ी सं. 04216 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04215 आगमन	गाड़ी सं. 04215 प्रस्थान
----	04:00	सुल्तानपुर जं.	11:00	---
06:20	06:30	लखनऊ जं.	07:35	07:45
08:20	08:25	कानपुर सेंट्रल जं.	05:55	06:00
10:20	10:25	इटावा जं.	02:15	02:20
		वाया शमशाबाद टाउन		
15:25	15:30	आगरा छावनी	23:05	23:10
16:35	16:40	भरतपुर जं.	22:00	22:05
18:20	18:25	बांदीकुई जं.	19:40	19:42
19:35	19:45	जयपुर जं.	18:00	18:10
20:28	20:30	फुलेरा	17:14	17:16
22:45	22:55	अजमेर जं.	16:00	16:10
23:40	23:42	ब्यावर	15:15	15:17
00:50	00:55	मारवाड़ जं.	14:10	14:15
01:35	01:37	फालना	13:06	13:08
03:20	03:30	आबूरोड	11:40	11:50
05:15	05:17	पालनपुर जं.	10:58	11:00
06:05	06:07	महेसाना जं.	09:38	09:40
07:30	-----	साबरमती	----	08:50

चलने के दिन: 04216 सुल्तानपुर जं. से प्रत्येक शुक्रवार को 13.06.2025 से 27.06.2025 तक और 04215 साबरमती से प्रत्येक शनिवार को 14.06.2025 से 28.06.2025 तक। संरचना: शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे

सदैव आपकी सेवा में

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राज्य महिला आयोग की सदस्या सुजीता कुमारी ने की जनसुनवाई व निरीक्षण

- जमीनी हकीकत से जुड़ीं सुजीता कुमारी, महिलाओं की सुनी पीड़ा, दी राहत की राह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी में राज्य महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी ने महिला सशक्तिकरण को ज़मीन पर उतारने की पहल की। जनसुनवाई से लेकर बंदीगृह और आकांक्षा स्टोर के निरीक्षण तक, हर पड़ाव पर उन्होंने न केवल व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बल्कि ज़मीनी हकीकत से जुड़े मुद्दों पर समाधान की दिशा भी तय की। सर्वप्रथम राज्य महिला आयोग सदस्या श्रीमती सुजीता कुमारी ने कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में महिला जनसुनवाई की। जनसुनवाई में कुल 38 प्रार्थना पत्र जो महिला उत्पीडन व अन्य परिवारिक विवादों के थे , सुनवाई करके तत्काल सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होंने महिला बंदीगृह और आकांक्षा स्टोर का निरीक्षण किया। जिला प्रशासन द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में की गई अभिनव पहल की सराहना की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया और महिला सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक सुधार के सुझाव भी दिए। सदर ब्लॉक में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने आशा और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से सीधा संवाद किया। बैठक में उन्होंने जमीनी स्तर की चुनौतियों को जाना और व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी ने बेहजम स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, साफ-सफाई, महिला मरीजों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं तथा दवाओं की उपलब्धता जैसी अहम बिंदुओं का बारीकी से जायजा लिया।

राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष ने किया वृक्षारोपण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर प्रवीण भाई तोगड़िया के निर्देशानुसार पूरे विश्व में पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। जो 5 जून से 12 जून तक चलेगा। इसी क्रम में गोला देहात की ग्राम पंचायत में बना अमृत सरोवर में राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया के नेतृत्व में आम,पीपल,बरगद, गूलर आदि छायादार वृक्ष लगाए गए हैं। जिला अध्यक्ष ने कहा कि आज कल बाग बगीचा व वनों के कटान से हरियाली धीरे-धीरे खत्म हो रही है और वायु प्रदूषण दूषित हो रहा है। सभी को एक-एक वृक्ष अपने अपने प्रागण व खेत खलियान या सार्वजनिक स्थल पर जरूर लगाए ताकि अच्छी छाया व अच्छी हवा मिल सके और स्वच्छ वातावरण बना रहें।

चकबंदी व राजस्व विभाग की खामियों ने खड़ी की गरीब परिवार के लिए समस्या

- कुल ढाई बीघा जमीन, पति बीमार, बेटा अपाहिज कैसे और कौन लड़ेगा मुकदमा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। सदर तहसील के परगना पैला के गांव कोडरी की बेहद गरीब परिवार की महिला किसान सुमन देवी ने जिलाधिकारी खीरी को सम्बोधित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थनापत्र देकर अपनी कृषि भूमि दिलाने की मांग की है। पीड़िता द्वारा प्रार्थनापत्र में कहा गया है कि चकबंदी विभाग द्वारा उसे जो खेत नापकर दिया गया था उसे अभिलेखों में पड़ोसी किसान फूलचंद का चक बना दिया ,फूलचंद को माप कर दूसरी जगह दिया गया था,अब राजस्व विभाग ने पीड़िता के खेत का लगभग आधा भाग फूलचंद को देकर मेड़बंदी करा दी है जिससे महिला किसान सुमन के खेत का रकबा प्रभावित हुआ है। मेहनत मजदूरी कर परिवार का पोषण करने वाली पीड़ित महिला सुमन ने बताया कि उसका परिवार बेहद गरीब है पति इंद्रपाल बीमार रहते हैं, बेटे उपेंद्र सड़क दुर्घटना में अपना एक पैर गंवा चुका है परिवार के भरण-पोषण के लिए वह स्वंम विद्यालय में मध्याह्न भोजन बनाने का काम करती है परिवार के पास मात्र यही ढाई बीघा ही जमीन है,जिसमें से आधा हिस्सा दूसरे किसान को देकर मेड़बंदी करा दी गई ,मेड़बंदी कराने गये राजस्व कर्मचारियों ने बताया कि रकबा पूरा कराने के लिये मुकदमा दायर करना होगा , आदेश के बाद आपको अगले किसानों के रकबे में तुम्हरा रकबा मिलेगा।बेहद दैनीय परिस्थितियों से गुजर रहे परिवार का मुकदमा लड़ना मुश्किल होगा। विभाग के कर्मचारियों की गलतियों की सजा भोलेभाले गरीब किसानों को उठानी पड़ती है। ग्राम कोडरी में हुई चकबंदी में वास्तविक चकों व भूनक्से में काफी खामियां मिलती हैं, यही कारण है कि किसानों में खेत-मेढ़ को लेकर कोई न कोई विवाद चलते रहते हैं।

थाना मैलानी पुलिस द्वारा, दो नफर वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैलानी खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी, संकल्प शर्मा द्वारा जनपद खीरी में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी गोला के कुशल मार्गदर्शन में एवं थानाध्यक्ष मैलानी के नेतृत्व में आज अभियुक्तगण उपदेश सिंह पुत्र प्रकाश सिंह नि0 मोहरेना थाना मैलानी .गजराज सिंह पुत्र प्रकाश सिंह नि0 मोहरेना थाना मैलानी को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम मे शामिल उ0 नि0 हिमांशू, का0 राजीव सागर, का0 अनुराग सिंह द्वारा गिरफ्तार किया गया।

संक्षिप्त समाचार

गोला, फरधान रेलवे क्रासिंग पर सेतु निर्माण कार्य को 30 जून की मध्यरात्रि तक आवागमन बंद

लखीमपुर खीरी। वर्तमान में गक्र730 पर स्थित गोला एवं फरधान रेलवे क्रासिंग पर सेतु का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, कार्य को कराये जाने हेतु वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से 12 जून 2025 को प्रातः 08:00 बजे से 30 जून 2025 की मध्य रात्रि तक बंद किया जा रहा है। यह जानकारी अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय खंड शुभ नारायण ने दी। इस दौरान वाहनों के रूट डायवर्जन का विवरण इस प्रकार से है। समस्त वाहन, जो बहराइच - नानपारा से पीलीभीत-बरेली की ओर आने-जाने वालेवाहनों को जिला लखीमपुर-खीरी के गक्र730 पर स्थित मनिकापुर तिराहे से होते हुये ख्रक्ट-86 ''लखीमपुर ऽमोहम्मदी मार्ग,, से सिकंदराबाद चौराहे से होते हुये ख्रक्ट-76 ''सिकंदराबाद-गोला मार्ग)की ओर मोड़ा जायेगा, जहाँ से वाहन गक्र730 गोला पर निकलेंगे ।

सीडीओ की संवेदनशील पहल बनी संबल – दिवंगत पीओ डूडा के परिवार को मिली 5 लाख की मदद

लखीमपुर खीरी। कर्तव्यपथ पर प्राण न्योछावर करने वाले अधिकारी को श्रद्धांजलि देने का सबसे श्रेष्ठ तरीका है। उसके परिवार के आंसुओं को संबल में बदलना। कुछ ऐसा ही अनुकरणीय उदाहरण लखीमपुर खीरी के मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार ने पेश किया। हाल ही में सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए परियोजना अधिकारी डूडा, डॉ. अजय कुमार सिंह के निधन से पूरा जिला शोकाकुल था। लेकिन इस दुख की घड़ी में सीडीओ अभिषेक कुमार ने संवेदनशीलता और नेतृत्व का परिचय देते हुए एक अभिनव मानवीय पहल शुरू की। पर जनपद के सरकारी अधिकारी-कर्मचारी आगे आए और स्वेच्छा से सहयोग किया, जिससे देखते ही देखते ?5 लाख की राशि इकट्ठा हो गई। यह संपूर्ण धनराशि दिवंगत अधिकारी की पत्नी के बैंक खाते में स्थानांतरित कर दी गई। सिर्फ आर्थिक सहायता ही नहीं, सीडीओ ने मृत्यु प्रमाण पत्र, पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित सभी आवश्यक दस्तावेजों की त्वरित व्यवस्था कर दिवंगत अधिकारी के परिवार को सौंपे। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रशासन परिवार के साथ हर परिस्थिति में खड़ा रहेगा।

जानलेवा हमले में महिला सहित दो गिरफ्तार, कुल्हाड़ी बरामद

प्रयागराज। नवाबगंज थाना पुलिस बुधवार को जानलेवा हमले की घटना में महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर हमले में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद कर ली है। पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में मुबारकपुर उपरहार गांव निवासी महबूब उर्फ करिया व हसीना हैं। दोनों ने 10 जून को गांव में पुरानी रंजिश को लेकर सुनील पाल पुत्र होरी लाल पाल व उनके परिवारजनों के साथ गाली-गलौज करते हुए कुल्हाड़ी से हमला किया था। इस हमले में अशोक पाल पुत्र होरीलाल एवं मुंशीलाल पाल को गंभीर चोटें आई थीं। इस सम्बन्ध में पीड़ितों की तहरीर पर थाना नवाबगंज में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपितों को जेल भेजते हुए विधिक कार्रवाई की गई।

गैंगस्टर एक्ट के मामले में दोषी को ढाई साल की सजा

मुरादाबाद। मुरादाबाद की अपर जिला जज एवं स्पेशल गैंगस्टर कोर्ट के न्यायाधीश निरंजन कुमार की अदालत ने बुधवार को एक वर्ष पूर्व के गैंगस्टर एक्ट मामले में आरोपित पर दोष सिद्ध होने पर ढाई साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोषी पर 5000 रुपये जुर्माना भी लगाया है। स्पेशल गैंगस्टर कोर्ट में विशेष लोक अभियोजक अभिषेक भटनागर ने बताया कि मुरादाबाद सदर कोतवाली इंस्पेक्टर मनीष सक्सेना ने दो जून 2023 को शहर कोतवाली में सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के हिमगिरी कॉलोनी निवासी चंद्रहास के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में केस दर्ज कराया था। इस केस की सुनवाई एडीजे पंचम एवं स्पेशल गैंगस्टर एक्ट कोर्ट में हुई। आज आरोपित चंद्रहास को दोषी करार देते हुए ढाई साल की सजा और पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

व्यापार व व्यापारी सरकार की प्राथमिकताओं में : संगम लाल

सुल्तानपुर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से बुधवार को क्षत्रिय सभागार में केन्द्र सरकार के सफलतम 11 वर्ष पूर्ण होने पर प्रबुद्ध समागम बुधवार को आयोजित हुआ। विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद संगम लाल गुप्ता ने कहा पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत निरन्तर विकास कर रहा है। उद्योगों में क्रांति आई है। राणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीके त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के सभागार में किया गया।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ–2025

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ियों का संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :–

गाड़ी संख्या	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	आवृत्ति	चलने के दिन	चलने की अवधि
04085	नई दिल्ली	15:50	पटना जंक्शन	08:40	प्रतिदिन		10.07.2025 तक
04087	पटना जंक्शन	10:00	नई दिल्ली	03:20			11.07.2025 तक
04064	नई दिल्ली	09:30	शेखपुरा	04:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04063	शेखपुरा	08:00	नई दिल्ली	01:10		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04066	नई दिल्ली	21:35	सहरसा जंक्शन	22:00	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04065	सहरसा जंक्शन	23:55	नई दिल्ली	23:30		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04022	नई दिल्ली	14:00	गोरखपुर	05:00	साप्ताहिक	गुरुवार	11.07.2025 तक
04021	गोरखपुर	07:00	नई दिल्ली	23:10		शनिवार	12.07.2025 तक
04081	नई दिल्ली	23:45	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	11:40	त्रि-साप्ताहिक	सोमवार, बुध, शनि	12.07.2025 तक
04082	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	21:20	नई दिल्ली	09:30		मंगल, गुरु, रविवार	13.07.2025 तक
04012	दिल्ली जंक्शन	19:30	दरभंगा जंक्शन	20:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04011	दरभंगा जंक्शन	22:00	दिल्ली जंक्शन	22:40		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04024	दिल्ली जंक्शन	18:30	वाराणसी जंक्शन	09:45	त्रि-साप्ताहिक	सोम,गुरु,शनि	10.07.2025 तक
04023	वाराणसी जंक्शन	18:35	दिल्ली जंक्शन	08:50		मंगल,शुक्र,रवि	11.07.2025 तक
04026	दिल्ली जंक्शन	23:05	रक्सौल जंक्शन	19:00	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04025	रक्सौल जंक्शन	22:00	दिल्ली जंक्शन	17:45		शुक्रवार	11.07.2025 तक
04018	आनंद विहार (टे)	09:00	मुजफ्फरपुर जंक्शन	04:30	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04017	मुजफ्फरपुर जं	06:15	आनंद विहार (टे)	03:10		शुक्रवार	11.07.2025 तक
04020	आनंद विहार (टे)	18:30	बरौनी जंक्शन	18:00	साप्ताहिक	रविवार	06.07.2025 तक
04019	बरौनी जंक्शन	20:00	आनंद विहार (टे)	19:00		सोमवार	07.07.2025 तक
04070	आनंद विहार (टे)	00:20	राजगीर	19:50	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04069	राजगीर	21:45	आनंद विहार (टे)	19:00		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04096	आनंद विहार (टे)	04:59	जयनगर	05:20	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04095	जयनगर	07:30	आनंद विहार (टे)	08:10		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04098	आनंद विहार (टे)	05:00	सीतामढ़ी	02:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04097	सीतामढ़ी	03:45	आनंद विहार (टे)	01:30		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04094	आनंद विहार (टे)	23:55	जोगबनी	07:30	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04093	जोगबनी	09:30	आनंद विहार (टे)	16:00		शनिवार	12.07.2025 तक
04207	लखनऊ जंक्शन	08:05	नई दिल्ली	18:30	साप्ताहिक	सोमवार	07.07.2025 तक
04208	नई दिल्ली	20:20	लखनऊ जंक्शन	06:35		सोमवार	07.07.2025 तक
04213	अयोध्या कैंट	16:20	आनंद विहार (टे)	06:00	त्रि-साप्ताहिक	रवि,मंगल,गुरु	10.07.2025 तक
04214	आनंद विहार (टे)	09:00	अयोध्या कैंट	22:00		सोम,बुध,शुक्र	11.07.2025 तक
04217	वाराणसी जंक्शन	06:25	लखनऊ जंक्शन	11:45	प्रतिदिन		30.06.2025 तक
04218	लखनऊ जंक्शन	16:30	वाराणसी जंक्शन	21:50			30.06.2025 तक
04219	शाहगंज जंक्शन	22:35	अयोध्या धाम जंक्शन	01:40	प्रतिदिन		10.07.2025 तक
04220	अयोध्या धाम जंक्शन	02:10	शाहगंज जंक्शन	04:40			10.07.2025 तक
02270	लखनऊ जंक्शन (वंदे भारत स्लीपर)	14:15	छपरा	21:30	सप्ताह में 06 दिन	मंगलवार को छोड़कर	11.07.2025 तक
02269	छपरा	23:00	लखनऊ जंक्शन	06:30			11.07.2025 तक
04604	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	16:15	वाराणसी जंक्शन	19:00	साप्ताहिक	रविवार	06.07.2025 तक
04603	वाराणसी जंक्शन	06:00	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	06:00		मंगलवार	08.07.2025 तक
04206	वाराणसी जंक्शन	14:30	चंडीगढ़	07:45	साप्ताहिक	शनिवार	05.07.2025 तक
04205	चंडीगढ़	09:30	वाराणसी जंक्शन	01:20		रविवार	06.07.2025 तक
04518	बठिंडा जंक्शन	20:50	वाराणसी जंक्शन	17:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, शुक्र	11.07.2025 तक
04517	वाराणसी जंक्शन	20:40	बठिंडा जंक्शन	17:00		मंगल, शनि	12.07.2025 तक
04209	लखनऊ जंक्शन	20:45	चंडीगढ़	07:55	त्रि-साप्ताहिक	सोम,बुध,शुक्र	09.07.2025 तक
04210	चंडीगढ़	10:30	लखनऊ जंक्शन	21:30		मंगल,गुरु,शनि	10.07.2025 तक
04302	योग नगरी ऋषिकेश	16:20	मुजफ्फरपुर जंक्शन	13:00	साप्ताहिक	मंगलवार	15.07.2025 तक
04301	मुजफ्फरपुर जंक्शन	16:00	योग नगरी ऋषिकेश	14:20		बुधवार	16.07.2025 तक
04610	जम्मू तवी	06:20	वाराणसी जंक्शन	05:10	साप्ताहिक	गुरुवार	09.07.2025 तक
04609	वाराणसी जंक्शन	09:00	जम्मू तवी	07:45		शुक्रवार	10.07.2025 तक
04304	योग नगरी ऋषिकेश	16:20	गोरखपुर	06:20	साप्ताहिक	शनिवार	12.07.2025 तक
04303	गोरखपुर	09:00	योग नगरी ऋषिकेश	00:55		रविवार	13.07.2025 तक
04602	फिरोजपुर कैंट जंक्शन	15:10	पटना जंक्शन	18:00	द्वि-साप्ताहिक	बुध, शनिवार	12.07.2025 तक
04601	पटना जंक्शन	20:50	फिरोजपुर कैंट जंक्शन	23:55		गुरु, रविवार	13.07.2025 तक
04608	अमृतसर जंक्शन	20:10	दरभंगा जंक्शन	02:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04607	दरभंगा जंक्शन	04:00	अमृतसर जंक्शन	10:30		रविवार	13.07.2025 तक
04212	सुल्तानपुर जंक्शन	04:00	लोकमान्य तिलक (टे)	14:00	साप्ताहिक	सोमवार	23.06.2025 तक
04211	लोकमान्य तिलक (टे)	16:35	सुल्तानपुर जंक्शन	23:00		मंगलवार	24.06.2025 तक
05599	रक्सौल जंक्शन	06:30	उधना जंक्शन	12:35	साप्ताहिक	शनिवार	26.07.2025 तक
05560	उधना जंक्शन	15:35	रक्सौल जंक्शन	00:15		रविवार	27.07.2025 तक
04058	नई दिल्ली	18:30	सहरसा जं	19:50	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04057	सहरसा जं	21:40	नई दिल्ली	23:30		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04072	दिल्ली जं.	11:00	दरभंगा जं.	13:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04071	दरभंगा जं.	15:00	दिल्ली जं.	18:50		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04074	आनंद विहार (टे)	23:55	जोगबनी	07:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04073	जोगबनी	09:30	आनंद विहार (टे)	16:00		रविवार	13.07.2025 तक
04090	नई दिल्ली	06:30	खोरधा रोड जं	17:05	साप्ताहिक	शनिवार	14.06.2025 तक
04089	खोरधा रोड जं	18:30	नई दिल्ली	00:30		रविवार	15.06.2025 तक
03255	पटना जंक्शन	22:20	आनंद विहार (टे)	14:35	द्वि-साप्ताहिक	रवि, गुरु	02.01.2025 से अगले आदेश तक
03256	आनंद विहार (टे)	23:30	पटना जंक्शन	18:35		सोम, शुक्र	03.01.2025 से अगले आदेश तक
05049	छपरा	10:15	अमृतसर जंक्शन	13:50	साप्ताहिक	शुक्रवार	07.02.2025 से अगले आदेश तक
05050	अमृतसर जंक्शन	17:45	छपरा	23:55		शनिवार	08.02.2025 से अगले आदेश तक
04092	नई दिल्ली	15:30	हावड़ा जंक्शन	21:40	द्वि-साप्ताहिक	बुध, शनि	19.07.25 तक
04091	हावड़ा जंक्शन	23:50	नई दिल्ली	01:00		गुरु, रवि	12.06.25 से 20.07.25
04216	सुल्तानपुर जंक्शन	04:00	साबरमती	07:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	13.06.25 से 27.06.25
04215	साबरमती	08:30	सुल्तानपुर जंक्शन	11:00		शनिवार	14.06.25 से 28.06.25
09639	मदार जंक्शन	04:30	रोहतक जंक्शन	12:50	प्रतिदिन		30.06.25 तक
09640	रोहतक जं	13:20	मदार जंक्शन	22:35			30.06.25 तक
04504	चंडीगढ़	23:35	पटना जंक्शन	22:10	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.25 तक
04503	पटना जंक्शन	22:45	चंडीगढ़	23:10		शुक्रवार	11.07.25 तक
03435	मालदा टाउन	09:30	आनंद विहार (टे.)	13:40	साप्ताहिक	सोमवार	30.06.25 तक
03436	आनंद विहार (टे.)	15:45	मालदा टाउन	23:30		मंगलवार	01.07.25 तक
06597	यशवंतपुर जं	07:00	योग नगरी ऋषिकेश	10:20	साप्ताहिक	गुरुवार	19.06.25 से 03.07.25
06598	योग नगरी ऋषिकेश	17:55	यशवंतपुर जं	19:45		शनिवार	21.06.25 से 05.07.25
05305	छपरा	22:00	आनंद विहार (टे)	22:10	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	17.02.2025 से अगले आदेश तक
05306	आनंद विहार (टे)	00:20	छपरा	22:50		बुध, शनि	19.02.2025 से अगले आदेश तक
05057	गोरखपुर जंक्शन	22:45	दिल्ली जंक्शन	12:50	साप्ताहिक	गुरुवार	06.02.2025 से अगले आदेश तक
05058	दिल्ली जंक्शन	14:00	गोरखपुर जंक्शन	06:25		शुक्रवार	07.02.2025 से अगले आदेश तक
01701	जबलपुर	19:40	अयोध्या कैंट	11:00	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
01702	अयोध्या कैंट	13:30	जबलपुर	04:15		गुरुवार	26.06.2025 तक
03309	धनबाद जंक्शन	10:10	जम्मू तवी	22:40	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शनि	28.06.2025 तक
03310	जम्मू तवी	23:30	धनबाद जंक्शन	13:00		बुध, रवि	29.06.2025 तक
02397	गया	14:15	आनंद विहार (टे)	07:10	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
02398	आनंद विहार (टे)	08:20	गया	00:30		सोमवार	30.06.2025 तक
03257	दानापुर	07:30	आनंद विहार (टे)	00:30	साप्ताहिक	रविवार	27.07.2025 तक
03258	आनंद विहार (टे)	05:00	दानापुर	20:45		सोमवार	28.07.2025 तक
03697	गया	14:15	दिल्ली जंक्शन	07:45	सप्ताह में 6 दिन	शनि को छोड़कर	30.06.2025 तक
03698	दिल्ली जंक्शन	08:55	गया	00:30		सोम को छोड़कर	01.07.2025 तक
05577	सहरसा जंक्शन	20:00	आनंद विहार (टे)	00:30	सप्ताह में 5 दिन	गुरु, शनि को छोड़कर	30.06.2025 तक
05578	आनंद विहार (टे)	05:15	सहरसा जंक्शन	10:30		शनि, सोम को छोड़कर	02.07.2025 तक
02393	राजेंद्र नगर (टे)	19:45	नई दिल्ली	12:10	सप्ताह में 6 दिन	गुरुवार को छोड़कर	30.06.2025 तक
02394	नई दिल्ली	18:30	राजेंद्र नगर (टे)	10:00		शुक्र को छोड़कर	01.07.2025 तक
02877	रांची	23:55	नई दिल्ली	03:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
02878	नई दिल्ली	04:00	रांची	05:00		रविवार	29.06.2025 तक
05736	कटिहार जंक्शन	21:00	अमृतसर जंक्शन	09:45	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
05735	अमृतसर जंक्शन	13:25	कटिहार जंक्शन	23:45		शुक्रवार	27.06.2025 तक
09183	मुंबई सेंट्रल	22:50	वाराणसी जंक्शन	10:30	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
09184	वाराणसी जंक्शन	14:30	मुंबई सेंट्रल	04:20		शुक्रवार	27.06.2025 तक
03223	राजगीर	06:05	हरिद्वार जंक्शन	06:05	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
03224	हरिद्वार जंक्शन	07:20	राजगीर	07:15		शनिवार	28.06.2025 तक
03221	राजगीर	14:00	शहीद कप्तान तुषार महाजन	23:05	साप्ताहिक	सोमवार	30.06.2025 तक
03222	शहीद कप्तान तुषार महाजन	03:15	राजगीर	15:00		बुधवार	02.07.2025 तक
05742	न्यू जलपाईगुड़ी	13:40	अयोध्या कैंट	09:30	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
05741	अयोध्या कैंट	11:40	न्यू जलपाईगुड़ी	09:30		सोमवार	30.06.2025 तक
03311	धनबाद जंक्शन	23:50	चंडीगढ़	04:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	27.06.2025 तक
03312	चंडीगढ़	06:00	धनबाद जंक्शन	09:00		गुरु, रवि	29.06.2025 तक
05113	छपरा	15:45	आनंद विहार (टे.)	14:25	साप्ताहिक	बुधवार	16.07.2025 तक
05114	आनंद विहार (टे.)	16:00	छपरा	14:00		गुरुवार	17.07.2025 तक
05301	मऊ जंक्शन	04:00	अंबाला कैंट	00:30	साप्ताहिक	गुरुवार	17.07.2025 तक
05302	अम्बाला कैंट	01:40	मऊ जंक्शन	22:00		शुक्रवार	18.07.2025 तक
05193	छपरा	14:00	शहीद कप्तान तुषार महाजन	23:05	साप्ताहिक	सोमवार	14.07.2025 तक
05194	शहीद कप्तान तुषार महाजन	00:10	छपरा	08:00		बुधवार	16.07.2025 तक
07383	हुब्बल्ली जंक्शन	20:30	योग नगरी ऋषिकेश	23:30	साप्ताहिक	सोमवार	24.02.2025 से अगले आदेश तक
07384	योग नगरी ऋषिकेश	06:15	हुब्बल्ली जंक्शन	06:30		गुरुवार	27.02.2025 से अगले आदेश तक
01491	पुणे	17:30	हजरत निजामुद्दीन	18:10	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
01492	हजरत निजामुद्दीन	22:10	पुणे	23:55		शनिवार	28.06.2025 तक
09101	वडोदरा जंक्शन	16:45	हरिद्वार जंक्शन	14:30	साप्ताहिक	शनिवार	28.06.2025 तक
09102	हरिद्वार जंक्शन	16:45	वडोदरा जंक्शन	12:00		रविवार	29.06.2025 तक
07023	चर्लपल्ली	20:45	हजरत निजामुद्दीन	02:00	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
07024	हजरत निजामुद्दीन	04:00	चर्लपल्ली	08:30		मंगलवार	01.07.2025 तक
07621	हुजूर साहिब नांदेड़	08:45	हजरत निजामुद्दीन	14:00	साप्ताहिक	शनिवार	28.06.2025 तक
07622	हजरत निजामुद्दीन	21:40	हुजूर साहिब नांदेड़	00:35		रविवार	29.06.2025 तक
09309	इंदौर जंक्शन	17:00	हजरत निजामुद्दीन	05:00	द्वि-साप्ताहिक	शुक्र, रवि	29.06.2025 तक
09310	हजरत निजामुद्दीन	08:20	इंदौर जंक्शन	21:00		शनि, सोम	30.06.2025 तक
09003	मुंबई सेंट्रल	10:30	दिल्ली जंक्शन	10:00	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	27.06.2025 तक
09004	दिल्ली जंक्शन	13:05	मुंबई सेंट्रल	13:30		बुध, शनि	28.06.2025 तक
09425	साबरमती	17:20	हरिद्वार जंक्शन	17:00	द्वि-साप्ताहिक	गुरु, रवि	29.06.2025 तक
09426	हरिद्वार जंक्शन	21:00	साबरमती	22:30		शुक्र, सोम	30.06.2025 तक
09603	उदयपुर सिटी	01:50	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	08:35	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
09604	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	10:50	उदयपुर सिटी	13:55		गुरुवार	26.06.2025 तक
01705	जबलपुर	15:45	हरिद्वार जंक्शन	13:50	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
01706	हरिद्वार जंक्शन	17:40	जबलपुर	17:50		गुरुवार	26.06.2025 तक
04050	नई दिल्ली	21:35	ऐशबाग	12:35	द्वि-साप्ताहिक	शुक्र, रवि	13.07.2025 तक
04049	ऐशबाग	18:45	नई दिल्ली	11:00		शनि, सोम	14.07.2025 तक
04525	सहारनपुर जं.	04:40	अम्बाला कैंट	06:45	प्रतिदिन		15.07.2025 तक
04526	अम्बाला कैंट	20:20	सहारनपुर जं.	22:30			15.07.2025 तक
04068	नई दिल्ली	14:00	भागलपुर	13:30	द्वि-साप्ताहिक	रवि, बुध	09.07.2025 तक
04067	भागलपुर	14:30	नई दिल्ली	14:30		सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04030	आनंद विहार (टे)	09:00	मुजफ्फरपुर जं.	04:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शनि	08.07.2025 तक
04029	मुजफ्फरपुर जं.	06:15	आनंद विहार (टे)	03:10		बुध, रवि	09.07.2025 तक
04618	अमृतसर	20:10	सहरसा जं.	02:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, मंगल	08.07.2025 तक
04617	सहरसा जं.	04:40	अमृतसर	14:00		बुध, गुरु	10.07.2025 तक
04520	बठिंडा जं.	20:50	वाराणसी	17:30	द्वि-साप्ताहिक	बुध, शनि	09.07.2025 तक
04519	वाराणसी	20:40	बठिंडा जं.	17:00		गुरु, रवि	10.07.2025 तक
05219	मुजफ्फरपुर जं.	13:30	आनंद विहार (टे)	10:00	साप्ताहिक	शनि	19.07.2025 तक
05220	आनंद विहार (टे)	12:00	मुजफ्फरपुर जं.	09:45		रवि	20.07.2025 तक
05447	पीलीभीत जं.	12:10	शाहजहाँपुर	13:50	प्रतिदिन		30.06.2025 तक
05448	शाहजहाँपुर	14:35	पीलीभीत जं.	16:30			30.06.2025 तक
05283	मुजफ्फरपुर जं.	06:30	आनंद विहार (टे)	05:00	साप्ताहिक	शुक्र	27.06.2025 तक
05284	आनंद विहार (टे)	07:00	मुजफ्फरपुर जं.	04:50		शनि	28.06.2025 तक
04687	बनिहाल	18:40	बडगाम	20:20	सप्ताह में 6 दिन	शुक्र को छोड़कर	03.08.2025 तक
04688	बडगाम	08:35	बनिहाल	10:40			03.08.2025 तक
04606	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	21:30	गुवाहाटी	19:10	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04605	गुवाहाटी	23:20	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	20:45		सोम	14.07.2025 तक
07077	चर्लापल्ली	05:00	देहरादून	19:20	साप्ताहिक	मंगलवार	24.06.2025 तक
07078	देहरादून	07:00	चर्लापल्ली	22:30		गुरुवार	12.06.25 से 26.06.25

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

श्रेयस अय्यर का स्वैग बरकरार, 2 हफ्ते के भीतर खेलेंगे दूसरा बड़ा फाइनल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के स्टाइलिश बल्लेबाज श्रेयस अय्यर दो हफ्तों के भीतर दूसरा बड़ा फाइनल खेलने को तैयार हैं। हाल ही में आईपीएल 2025 का फाइनल हारने वाली पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने एक और लीग के फाइनल में अपनी टीम की जगह पक्की कर दी है। इस बार उन्होंने टी 20 मुंबई 2025 में अपनी टीम सोबो मुंबई फाल्कन्स को फाइनल में जगह दिलाई है। आईपीएल 2025 की ट्रॉफी गंवाने के बाद श्रेयस अय्यर के पास अब खिताब जीतने का एक और सुनहरा मौका है। 3 जून को हुए आईपीएल 2025 के फाइनल में श्रेयस अय्यर ने पंजाब किंग्स की कप्तानी की थी। उस मुकाबले में उनकी टीम का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हुआ, लेकिन पंजाब किंग्स को हार का सामना करना पड़ा और खिताब उनके हाथ से फिसल गया। हालांकि, आईपीएल फाइनल के तुरंत बाद टी 20 मुंबई लीग में अय्यर ने अपनी कप्तानी में शानदार प्रदर्शन करते हुए सोबो मुंबई फाल्कन्स को फाइनल तक पहुंचाया। अब 12 जून को होने वाले इस फाइनल में उनकी टीम साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स से भिड़ेगी। सोबो मुंबई फाल्कन्स ने इस सीजन में श्रेयस अय्यर की अगुवाई में शानदार क्रिकेट खेला है। आईपीएल फाइनल के अगले दिन यानी 4 जून से शुरू हुए टी 20 मुंबई लीग में टीम ने लीग चरण के 5 में से 4 मैच जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाई। सेमीफाइनल में भी टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए नमो बांद्रा ब्लास्टर्स को 5 विकेट से हराया। नमो बांद्रा ब्लास्टर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 10 विकेट पर 130 रन बनाए, जिसे सोबो मुंबई ने 14.4 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इशान मूलचंदानी ने नाबाद 52 रनों की शानदार पारी खेली। श्रेयस अय्यर के लिए यह फाइनल बेहद खास है। आईपीएल 2025 की ट्रॉफी हारने के बाद अब उनके पास अपनी कप्तानी में खिताब जीतने का दूसरा मौका है। भले ही टी 20 मुंबई लीग का दायरा आईपीएल जितना बड़ा न हो, लेकिन मुंबई के स्थानीय क्रिकेट सर्कल में इसकी काफी अहमियत है। अगर अय्यर अपनी टीम को चैंपियन बनाने में सफल होते हैं, तो यह उनके करियर और आत्मविश्वास के लिए बड़ा प्रोत्साहन होगा। टी 20 मुंबई 2025 का फाइनल 12 जून को मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। इस मुकाबले में सोबो मुंबई फाल्कन्स और साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स के बीच रोमांचक टक्कर की उम्मीद है। मुंबई के क्रिकेट प्रशंसक और अय्यर के फैंस इस बार उनसे खिताब जीतने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अब देखना यह है कि क्या श्रेयस अय्यर फाइनल के दबाव को झेलकर अपनी टीम को चैंपियन बना पाएंगे।

भारतीय शूटिंग को नई उड़ान देगा एसएलआई : एलावेनिल वलारिवन

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा हाल ही में लॉन्च की गई शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। इस बीच भारत की स्टार शूटर एलावेनिल वलारिवन ने एसएलआई को खेल के लिए 'गेम-चेंजर' बताया है। म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में कांस्य पदक जीतने वाली एलावेनिल ने कहा कि वह इस लीग को लेकर बेहद उत्साहित हैं। एलावेनिल ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ''यह हमारे खेल के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि ऐसा पहली बार हो रहा है। मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं और मुझे यकीन है कि हर खिलाड़ी इस लीग को लेकर उत्साहित होगा। उन्होंने कहा, ''इस लीग में प्रतिस्पर्धा का स्तर बहुत ऊंचा होगा और इसका फायदा हमें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देखने को मिलेगा। यह सभी खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा माहौल और बड़ा मोटिवेशन साबित होगा। एलावेनिल ने विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा दूसरे एथलीट्स से सीखने के मौके का इंतजार करती हूं और यह लीग उनके अनुभव को अपनाने का एक बेहतरीन जरिया बनेगी। एक ही टीम में रहकर उनके आइडियाज को समझना और साझा करना आसान होगा। खासतौर पर युवा और नए खिलाड़ी सीनियर एथलीट्स से बहुत कुछ सीख सकेंगे और मैं खुद भी इस अनुभव को लेकर उत्साहित हूं। दो बार की ओलंपियन एलावेनिल का मानना है कि यह लीग शूटिंग को देशभर में नई पहचान दिलाएगी। उन्होंने कहा, ''यह लीग आम जनता के बीच शूटिंग खेल की समझ और लोकप्रियता को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। जब लोग इस खेल को उसके असली प्रारूप में देखेंगे तो इससे जुड़ाव और बढ़ेगा और उम्मीद है कि ज्यादा युवा इसे पेशेवर रूप में अपनाना चाहेंगे। अंत में उन्होंने कहा, ''चूंकि लीग बड़े स्तर पर आयोजित की जा रही है और विदेशी खिलाड़ी भी इसका हिस्सा होंगे, तो यह युवाओं को इस खेल के प्रति आकर्षित करने में मदद करेगी। इससे नई पीढ़ी को शूटिंग को जानने और सीखने का बड़ा मौका मिलेगा।''

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 2-1 से हराया

एजेंसी

एंटवर्प। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोपीय दौरे पर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए रोमांचक मुकाबले में बेल्जियम 2-1 से हराया। बेल्जियम में हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिजके प्लीन में मंगलवार को खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से लालथंतलुंगी ने (35वें) मिनट और गीता यादव ने (50वें) मिनट में गोल किए। पहला हाफ कड़े मुकाबले के बीच दोनों टीमें गोल करने में विफल रही। 35वें मिनट में लालथंतलुंगी ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदल कर भारत को बढ़त दिलाई। इसके के बाद अंतिम क्वार्टर में बेल्जियम की वैन हेलेमोंट ने (48वें) मिनट में बेल्जियम के लिए मैदानी गोलकर स्कोर से 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि, दो मिनट बाद ही गीता यादव ने भारत के लिए विजयी गोल किया। इसके बाद भारतीय टीम ने रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए मुकाबला जीत लिया। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम गुरुवार को अपने दौरे में तीसरी और अंतिम बार बेल्जियम से भिड़ेगी।

इंग्लैंड ने टी-20 सीरीज में वेस्टइंडीज का किया सूपड़ा साफ

एजेंसी

साउथेम्प्टन (इंग्लैंड)। बेन डकेट (84) और जेमी स्मिथ (60) की शानदार अर्धशतकीय पारियों के बाद ल्यूक वुड (तीन विकेट) और आदिल रशीद (दो विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 37 रनों से हरा दिया। इसी के साथ इंग्लैंड तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली है। इंग्लैंड के 248 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और उसने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों जॉनसन चार्ल्स (नौ) और एविन लुइस (नौ) के विकेट 37 रन के स्कोर पर गवां दिये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान साई होप और शिमरॉन हेटमायर ने पारी संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में जेकब बेथेल ने शिमरॉन हेटमायर आठ गेंदों में (26) रन को आउट कर इंग्लैंड को तीसरी सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में ब्राइडन कार्स ने साई होप 27 गेंदों में (45) रन को आउटकर वेस्टइंडीज को तगड़ा झटका दिया। शरफ़ेन रदरफोर्ड (एक), रोमारियो शेफर्ड (शून्य) को आदिल राशीद ने अपना शिकार बनाया। जेसन होल्डर 12 गेंदों में (25) और गुडाकेश मोती (एक) को ल्यूक वुड ने आउट किया। वेस्टइंडीज की ओर से रोवमन पॉवेल ने 45 गेंदों में नौ चौकों और चार छक्कों की मदद से (नाबाद 79) रनों की पारी खेली। इंग्लैंड के बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 211 रन ही बना सकी और 37 रनों से मैच हार गई। इंग्लैंड की ओर से ल्यूक वुड ने तीन और ल्यूक वुड ने दो विकेट लिये। ब्राइडन कार्स, लियम डॉसन और जेकब बेथेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले वेस्टइंडीज ने मंगलवार देर रात तीसरे टी-20 मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करते उतरी इंग्लैंड के लिए बेन डकेट और जेमी स्मिथ की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 120 रन जोड़े। नौवें ओवर में गुडाकेश मोती ने जेमी स्मिथ को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। जेमी स्मिथ ने 26 गेंदों में पांच छक्के और चार चौकों की मदद से (60) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जॉस बटलर 10 गेंदों में (22) रन को शरफ़ेन रदरफोर्ड ने हेटमायर के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। 15वें ओवर में अकील हुसैन ने बेन डकेट को बोल्ड कर उनके शतक बनाने के मंसूबे पर पानी फ़ेर दिया। बेक डकेट ने 46 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (84) रन बनाये।

संक्षिप्त समाचार

निकोलस पूरन बने एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर निकोलस पूरन को अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में एमआई न्यूयॉर्क टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। 2025 सीजन से पहले यह घोषणा ऐसे समय पर की गई है जब पूरन ने ठीक एक दिन पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी। फ्रेंचाइजी ने एक बयान में बताया कि हमारा हीरो, हमारा लीजेंड, हमारा कप्तान! 29 वर्षीय पॉकेट डायनामाइट, एमआई न्यूयॉर्क सुपरस्टार निकोलस पूरन को कॉग्निजेंट मेजर लीग क्रिकेट के 2025 सीजन से पहले एमआई न्यूयॉर्क का कप्तान बनाया गया है। निकोलस को दुनिया के बेहतरीन टी20 खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए कुल 167 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें 106 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले शामिल हैं, जो किसी भी वेस्टइंडीज खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इसके साथ ही वे वेस्टइंडीज की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे, जिन्होंने 2,275 रन बनाए। निकोलस पूरन ने 2024 में अपने करियर का सबसे शानदार वर्ष बिताया। उन्होंने कैलेंडर ईयर में रिकॉर्ड 170 छक्के लगाए। इसके बाद इस साल आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने इस सीजन कुल 524 रन बनाए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 196.25 रहा और उन्होंने पांच अर्धशतक जड़े। अब एमआई न्यूयॉर्क की कप्तानी का जिम्मा संभालते हुए निकोलस पूरन फ्रेंचाइजी क्रिकेट में अपने अनुभव और आक्रामक बल्लेबाजी का जलवा अमेरिका की लीग में दिखाने को तैयार हैं।

चिली लगातार तीसरे फीफा वर्ल्ड कप से बाहर, कोच रिकार्डो गरेका ने दिया इस्तीफा

साओ पाउलो। चिली की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। टीम फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रही है और लगातार तीसरे वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। मंगलवार को एल एल्टो (बोलीविया) में खेले गए मुकाबले में चिली को बोलीविया के हाथों 0-2 से हार झेलनी पड़ी, जिससे वह दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में सबसे आखिरी स्थान पर ही बनी रही। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम के मुख्य कोच रिकार्डो गरेका ने इस्तीफ़े की घोषणा कर दी। अर्जेंटीना के 67 वर्षीय इस कोच ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''मैं खिलाड़ियों और अधिकारियों को उनके समर्थन के लिए सार्वजनिक रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अब टीम को छोड़ रहा हूं। चिली की 'गोल्डन जनरेशन' जिसने 2015 और 2016 में दो कोपा अमेरिका खिताब जीते थे, अब इतिहास बन चुकी है। टीम के दिग्गज स्ट्राइकर एलेक्सिस सांचेज़ ने हार के बाद कहा, ''बहुत दुख हो रहा है, मैंने ऐसा पहले कभी महसूस नहीं किया। हमें लोगों से माफ़ी मांगनी चाहिए। बदलाव की शुरुआत हो चुकी है, गोल्डन जनरेशन अब दफन हो चुकी है — मैं अकेला बचा हूं। बोलीविया ने मैच की शुरुआत में ही पांचवें मिनट में मिगुएल तेरेसेरोस के गोल से बढ़त बना ली थी। 90वें मिनट में एंज़ो मोंटेरो ने दूसरा गोल कर चिली की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फ़ेर दिया। यह मुकाबला ला पाज़ के बाहरी इलाके स्थित 4,150 मीटर की ऊंचाई पर एल एल्टो स्टेडियम में खेला गया। दूसरी ओर, उरुग्वे ने वेनेज़ुएला को 2-0 से हराकर क्वालिफाइंग स्टैंडिंग में बड़ी छलांग लगाई है। रोड्रिगो अग्विरे और जॉर्जियन डे अरेस्काएटा के गोलों की बदौलत उरुग्वे ने 16 मैचों में 24 अंकों के साथ शीर्ष छह में जगह मजबूत कर ली है, जो सीधे विश्व कप में एंट्री के लिए जरूरी है। अब सातवें स्थान की इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ की दौड़ बोलीविया (17 अंक) और वेनेज़ुएला (18 अंक) के बीच रोचक बनती जा रही है। चिली का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया है।

ब्राज़ील और इक्वाडोर ने पक्की की विश्व कप 2026 की टिकट

नई दिल्ली। साओ पाउलो और लीमा में बुधवार (भारतीय समयानुसार) को खेले गए मुकाबलों में ब्राज़ील और इक्वाडोर ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। ब्राज़ील ने कोरिंथियंस एरिना में परागवे को 1-0 से हराकर, जबकि इक्वाडोर ने पेरू के खिलाफ 0-0 की ड्रॉ खेलकर क्वालीफिकेशन सुनिश्चित किया। ब्राज़ील के लिए एकमात्र गोल रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर ने 44वें मिनट में किया। उन्होंने मैथ्यूस कुन्हा के पास पर नजदीक से गेंद को गोलपोस्ट में डालते हुए टीम को बढ़त दिलाई। यह ब्राज़ील के नए कोच कार्लो एंसेलोटी की पहली जीत रही, जो उनके घरेलू डेब्यू में ही मिली। इस जीत के साथ ब्राज़ील अब 16 मैचों में 25 अंकों के साथ कॉनमेबोल क्वालीफाइंग स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, जिससे वह शीर्ष छह में रहते हुए सीधे विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर गया। इसके साथ ही ब्राज़ील ने अपने ऐतिहासिक रिकॉर्ड को कायम रखा- वह एकमात्र देश है जिसने अब तक हर फीफा विश्व कप टूर्नामेंट में भाग लिया है। वहीं इक्वाडोर ने भी पेरू से ड्रॉ खेलकर कुल 25 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिका की टॉप छह टीमों में जगह बना ली। 2022 कतर विश्व कप में ग्रुप स्टेज से बाहर होने वाली इक्वाडोर की टीम अब पांचवीं बार विश्व कप में खेलेगी। पेरू के खिलाफ मुकाबले में इक्वाडोर को रेड कार्ड मिलने के बावजूद टीम ने साहसिक प्रदर्शन करते हुए जरूरी एक अंक हासिल किया।

भारत में सामाजिक सुरक्षा दायरा 10 साल में 19 प्रतिशत से बढ़कर 64 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने कहा है कि भारत में सामाजिक सुरक्षा दायरे में आने वाले लोगों की संख्या बढ़ी है। 2025 में यह कुल आबादी के 64.3 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि 2015 में यह आंकड़ा 19 प्रतिशत था। आईएलओ के आंकड़ों के अनुसार, भारत वर्तमान में 94 करोड़ नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करता है। इसके साथ लाभार्थियों की संख्या के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। आईएलओ के अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के 113वें सत्र में भाग लेने के लिए जिनेवा गये श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने बयान में कहा, ''यह दुनिया भर में सामाजिक सुरक्षा दायरे में सबसे तेज विस्तार है।

सर्राफा बाजार में लगातार चौथे दिन सोने की कीमत में गिरावट, चांदी में तेजी जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार चौथे दिन सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 97,570 रुपये से लेकर 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,440 रुपये से लेकर 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में भी आज तेजी का रुख नजर आ रहा है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,000 रुपये महंगी होकर 1,09,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

गोल्ड ईटीएफ में मई के दौरान 292 करोड़ रुपये का शुद्ध प्रवाहः एम्फी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सोने की कीमतों के जुझारू रुख और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच मई के दौरान गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में 292 करोड़ रुपये का शुद्ध प्रवाह देखा गया। नवीनतम आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। गोल्ड ईटीएफ ऐसा निवेश साधन हैं जो भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन इन्हें कागज या डीमैट (इलेक्ट्रॉनिक) रूप में रखा जाता है। म्यूचुअल फंड उद्योग के निकाय एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की तरफ से जारी मई माह के आंकड़ों से पता चलता है कि दो महीने तक निकासी का सिलसिला कायम रहने के बाद मई में गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध प्रवाह देखा गया। इस वजह से गोल्ड ईटीएफ श्रेणी में प्रबंधन-अधीन संपत्तियां बढ़कर 62,453 करोड़ रुपये हो गईं, जो अप्रैल में 61,422 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफ में पिछले महीने 292 करोड़ रुपये का शुद्ध प्रवाह देखा गया, जबकि अप्रैल में छह करोड़ रुपये और मार्च में 77 करोड़ रुपये की निकासी देखने को मिली थी। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया में वरिष्ठ विश्लेषक एवं शोध प्रबंधक नेहल मेश्राम ने कहा, ''मई में नए सिरे से हुई वृद्धि गोल्ड ईटीएफ को लेकर निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ने का संकेत देती है। ऐसा संभवतः सोने की जुझारू कीमतों और लगातार जारी वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण है। ऐसे समय में रणनीतिक निवेश के तौर पर सोने की मजबूत अपील बनी हुई है। जर्मिनेट इन्वेस्टर सर्विसेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष जोसफ ने कहा कि निवेशक अब अपने पोर्टफोलियो के हिस्से के रूप में सोने की जरूरत महसूस कर रहे हैं और इसीलिए उन्होंने गोल्ड ईटीएफ की तरफ अपना रुख करना शुरू कर दिया है।

मोहम्मद आरिफ खान एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के डिप्टी सीईओ नियुक्त

मुंबई। साधारण बीमा कंपनी एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने श्री मोहम्मद आरिफ खान को डिप्टी मुख्य कार्यकारी अधिकारी (डिप्टी सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि श्री खान एक अनुभवी बैंकिंग पेशेवर हैं, जिन्होंने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में 25 वर्षों से अधिक समय तक विशिष्ट सेवा की है। वे बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं में रणनीतिक और परिचालन डोमेन की एक विस्तृत श्रृंखला में विशेषज्ञता और अनुभव है। श्री खान ने 2000 में एसबीआई में प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप में अपना करियर शुरू किया और तब से रिटेल बैंकिंग, स्ट्रैटेजिक ट्रेनिंग यूनिट (एसटीयू) और कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) कार्यान्वयन और प्रशिक्षण परियोजनाओं में कई प्रमुख नेतृत्व पदों पर कार्य किया है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील में फंसा पेंच, अमेरिकी दबाव को मानने से भारत का इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील में कुछ मुद्दों को लेकर मामला फंसता नजर आ रहा है। भारत और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच 4 से 10 जून के बीच दिल्ली में आपसी व्यापार से जुड़े सभी मुद्दों पर विस्तार से बातचीत हुई। इसके बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य वापस लौट गए, जबकि कुछ सदस्यों की अभी भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल से बातचीत जारी है। बताया जा रहा है कि एग्रीकल्चर, डेयरी, मेडिकल और डिजिटल सर्विसेस को लेकर भारत ने अमेरिका की मांग को पूरी तरह से ठुकरा दिया है। अमेरिका इन सेक्टर्स को ओपन करने का दबाव बना रहा है लेकिन भारत ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि दोनों देशों के बीच होने वाली ट्रेड डील पूरी तरह संतुलित होनी चाहिए, जिससे दोनों देशों के हितों का परस्पर ध्यान रखा जा सके। भारत और अमेरिका दोनों देश डोनाल्ड ट्रंप की सरकार द्वारा शुरू की गई टैरिफ पॉलिसी को ध्यान में रखते हुए ट्रेड डील करना चाहते हैं। फिलहाल डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर 8 जुलाई तक के लिए रोक लगा दी है। यही कारण है कि दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल 8 जुलाई के पहले ट्रेड डील को आखिरी रूप दे देना चाहते हैं, ताकि दोनों देशों के बीच होने वाले परस्पर कारोबार पर कोई असर न पड़े। ट्रेड डील को लेकर शुरू हुई बातचीत में अमेरिकी पक्ष पहले से ही डेयरी और एग्रीकल्चर सेक्टर को ओपन करने का दबाव बना रहा है। दूसरी ओर, भारत ने इन क्षेत्रों को संवेदनशील मानते हुए खोलने से इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि अगर डेयरी और एग्रीकल्चर जैसे सेक्टर्स को पूरी तरह से ओपन कर दिया जाता है, तो इससे इन सेक्टर्स में विदेशी कंपनियों के साथ होने वाली प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाएगा, जिससे भारतीय कारोबारियों को नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि भारत द्वारा इन सेक्टर्स को ओपन करने से साफ-साफ इनकार कर देने की वजह से भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई है। अमेरिका का कहना है कि अगर भारत इन सेक्टर्स को ओपन करने के लिए तैयार नहीं होता है, तो फिर दोनों देशों के बीच ट्रेड डील नहीं हो सकती है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

पूर्व सांसद गौरीशंकर राय के 102 वीं जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं श्रद्धांजली सभा आयोजित

हमें अपने माता-पिता के वचन का अनुरागी होना चाहिए: धर्मेन्द्र सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलिया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाजवादी चिन्तक एवं पूर्व सांसद गौरीशंकर राय के 102 वीं जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया। गौरीशंकर राय स्मृति समिति के तत्वाधान में गौरीशंकर राय कन्या महाविद्यालय, करनई बलिया के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के सदस्य धर्मेन्द्र सिंह उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि हमें अपने माता - पिता के वचन का अनुरागी होना चाहिए। गौरीशंकर राय पहले ऐसे शख्स थे जिन्होंने राजनीति के अपराधीकरण पर न केवल चिंता व्यक्त किये उसके विरुद्ध खुल के लडाई लड़ी। बलिया सोनौली राज्यमार्ग पर गौरीशंकर राय की स्मृति में तोरण द्वार बनाने की घोषणा करते हुए श्री सिंह ने कहा कि ऐसे महापुरुषों के स्मृतियों को संजोया जाना बहुत आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि भारतीय कुश्ती संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संजय सिंह ने कहा कि अपने पूर्वजों के बताये रास्ते को याद रखना चाहिए। अतीत की चर्चा भविष्य में मार्गदर्शक और वर्तमान की प्रेरणा होती है। वरिष्ठ पत्रकार कृष्णदेव नारायण राय ने कहा कि राय साहब विचारों और मूल्यों के नेता थे। उन्होंने अपने मूल्यों से कभी कोई समझौता नहीं किया और पुरे शिद्दत के साथ समाज हित की अगुआयी किये। पूर्व संसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने कहा कि एक सभा में लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने एक सभा में कहा था कि देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक दशा दिशा पर गौरीशंकर राय अपनी बात रखेंगे। इससे राय साहब के व्यक्तित्व के महत्ता को समझा जा सकता है। राय साहब किसानो की अगुआई करते थे। उनका मानना था कि किसानों की समृद्धि के बिना देश में समृद्धि नहीं हो सकती है। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजधारी सिंह ने कहा कि राय साहब संघर्षों के नेता थे और समाज में न्याय और समता स्थापित करने की दिशा में जीवन भर प्रयासरत रहे। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री नारद राय ने कहा कि राय साहब की प्रेरक स्मृतियाँ हमलोगों को हमेशा प्रेरणा देती हैं। राज्य सभा संसद नीरज शेखर और उत्तर प्रदेश विधान सभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राम गोविन्द चौधरी ने राय साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा को उत्तर प्रदेश चीनी मिल के उपाध्यक्ष ऋषिकांत राय समाजवादी चिन्तक परमात्मा पाण्डेय ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र सिंह ने महाविद्यालय के मेधावी छात्राओं को सम्मनित किया गया। बी.ए. में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त रितिका तिवारी को डॉ आशा राय स्मृति चिन्ह, बी.एस.सी. के प्रीटी को हरिशंकर राय स्मृति चिन्ह, एम.ए. हिंदी के बिंदु यादव को रामदुलारी राय विशिष्ट पदक, एम.ए. हिंदीके ही आरती यादव को महादेव राय स्मृति चिन्ह, एम.ए. मनोविज्ञान के प्रतीक्षा सिंह को शिवकुमार राय स्मृति चिन्ह, एम.ए. गृह विज्ञान के प्रियंका चौरसिया को रमाशंकर राय स्मृति चिन्ह तथा डी.एल.एड.के विनीता तिवारी को गौरीशंकर राय स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। महाविद्यालय के छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गए। पूर्व आई.पी.एस. अजय शंकर राय ने उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया। अध्यक्षता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राम विचार पाण्डेय ने तथा सञ्चालन धनन्जय राय ने किया।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)
डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ईमेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

भाजपा नेता द्वारा फांसी लगाने के मामले में कान्सटेबिल लाइन हाजिर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हमीरपुर। हमीरपुर जिले के बीलपुर गांव में भाजपा के मंडल महामंत्री के फंासी के फंदे पर झूलने की घटना को लेकर पुलिस की लापरवाही सामने आई है। एसपी ने दोषी एक सिपाही को लाइनहाजिर कर दिया है जबकि थाने में तैनात एक गार्ड को ड्यूटी से हटा दिया गया है। इस कार्रवाई से पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया है। उल्लेखनीय है कि हमीरपुर जिले के थाना जलालपुर के बीलपुर गांव के रहने वाले भाजपा के मंडल महामंत्री शिवेन्द्र कुमार के घर के दरवाजे पर लगा समरसेबिल दबंग लोग उखाड़कर ले गए थे। इस मामले को लेकर थाने में शिकायत की थी। यूपी-112 को घटना की जानकारी दी गई थी लेकिन पुलिस ने एक्शन नहीं लिया था। भाजपा नेता ने पुलिस के रवैये से नाराज होकर पार्टी के नेताओं से भी मदद मांगी थी। इधर गांव के दबंगों उन्हें लगातार धमकी दे रहे थे। जिससे अपमान की पीड़ा ने उन्हें आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर कर दिया। भाजपा नेता ने अपने ही घर में फंासी लगा ली थी। परिजन उन्हें आननफानन सरकारी अस्पताल ले गए थे जहां डाँक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया था। भाजपा नेता के फंासी लगाकर जान देने की जानकारी होते ही राठ क्षेत्र की विधायक मनीषा अनुरागी तमाम कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंची थी। पुलिस की लापरवाही को लेकर उन्होंने थाना प्रभारी को एक्शन लेने के निर्देश दिए थे। भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक ने भी पीड़ित परिवार से मिलने बीलपुर गांव गए थे। अपर पुलिस कप्तान मनोज गुप्ता ने भी मामले की जानकारी करने पीड़ित परिवार से मिले थे। मृतक के पिता शिवचरन ने थाना पुलिस पर आरोप लगाया था कि पिछले कई सालों से उसके पुत्र शिवेन्द्र को गांव के लोग परेशान कर रहे है। मगर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। जिससे बेटे को आत्मघाती कदम उठाना पड़ा। थाना जलालपुर प्रभारी बृजमोहन ने इस घटना की तहरीर पर गांव के ही संतोष और उसके दो पुत्र सुशील, पंकज व छत्रपाल अनुरागी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर लिया था।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने विष्णु चरण पादुका का पूजन किया

श्री विष्णु चरण पादुका मणिकर्णिका तीर्थ विकास समिति का होगा गठन

राष्ट्री प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। ज्येष्ठ मास के पूर्णिमा तिथि पर बुधवार को श्री मणिकर्णिका तीर्थ पर स्थित विष्णु चरण पादुका का पूजन ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्?गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती ने विधि विधान से किया। शंकराचार्य ने पंचोपचार विधि से श्री विष्णु चरण पादुका का पूजन किया। 11 ब्राह्मणों ने यह पूजन संपन्न कराया। इस अवसर पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि यह वही स्थान है, जहां भगवान विष्णु ने हजारों वर्ष खड़े रहकर तपस्या की। तपस्या के दौरान प्रभु ने अपने सुदर्शन चक्र से कुंड का निर्माण किया, जो तपस्या के वक्त उनके शरीर से निकले पसीने से भर गया। बाद में मान्यता है कि उसी कुंड में भगवान शिव और माता पार्वती ने स्नान किया। स्नान के समय ही माता पार्वती का मणि कुंडल कुंड में गिर गया। तभी से यह कुंड चक्र पुष्करिणी तीर्थ और जहां भगवान विष्णु ने तप किया, वह मणिकर्णिका तीर्थ हुआ। सनातन धर्म में यह स्थान काफी पवित्र माना जाता है और हमारे पुराणों में भी इसका वर्णन मिलता है। शंकराचार्य ने इस बात पर दुख जताते हुए कहा कि आज मैं यहां आया तो देखा कि घाट पर स्नानार्थियों और शवयात्रियों में कोई अंतर नहीं है। घाट पर स्नानार्थियों से अधिक शवयात्रियों की संख्या ज्यादा है। सरकार को चाहिए कि इस पौराणिक घाट पर स्नानार्थियों और शवयात्रियों के लिए अलग अलग व्यवस्था की जाय, जिससे किसी की भावना आहत न हो। चरण पादुका पूजन के बाद शंकराचार्य ने चक्र पुष्करिणी तीर्थ का भी आचमन और पूजन किया। तत्पश्चात उन्होंने रत्नेश्वर महादेव और श्री विष्णु चक्र का भी दर्शन किया। काशी तीर्थ पुरोहित सभा के अध्यक्ष मनीष नन्दन मिश्र ने बताया कि मणिकर्णिका तीर्थ व विष्णु चरण पादुका के महात्म्य का वर्णन अनेक शास्त्र पुराणों में मिलता हैं। सृष्टि के पूर्व जब सर्वत्र अंधकार शून्य व्याप्त था, तब निर्गुण निराकार परमेश्वर को सगुण साकार होने की इच्छा हुई तो भगवान विष्णु का प्राकट्य हुआ।। सर्वत्र शून्यता देखकर उन्हें अपना उद्देश्य कारण जानने की जिज्ञासा हुई। तत्पश्चात दिव्य आकाशवाणी द्वारा तपस्या करने का आदेश हुआ। भगवान विष्णु ने तप के लिए स्थिर स्थान न होने के प्रश्न पर निर्गुण, निराकार, परमेश्वर सदाशिव ने स्वयं को पंचक्रोशात्मक अलौकिक काशी के रूप में प्रकट किया। वहां जिस स्थान पर भगवान विष्णु ने सहस्त्रों वर्षों तक खड़े होकर कठोर तप किया, वह स्थान श्री विष्णु चरण पादुका के नाम से विख्यात हुआ।

अब किसान भी बनेंगे तकनीक के साथी, देशी गाय से कर सकेंगे 30 एकड़ प्राकृतिक खेती

तकनीकी नवाचार की नई राह, वैज्ञानिकों की बात से चमकी किसानों की आंखें

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। अगर खेत में देशी गाय है तो 30 एकड़ तक प्राकृतिक खेती मुमकिन है। जब कृषि वैज्ञानिक ने यह बात कही तो जमालपुर के बड़भुईली गांव के चौपाल में बैठे किसानों की आंखों में चमक आ गई। मौका था विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के तहत आयोजित गोष्ठी का। खेती अब सिर्फ हल और पानी तक सीमित नहीं, बल्कि अब वैज्ञानिक सोच और तकनीक की दोस्त बन चुकी है। कार्यक्रम का मकसद था-किसानों को आत्मनिर्भर, तकनीक-सक्षम और आय बढ़ाने वाला बनाना। विधायक ने किसानों को दी नई सोच की सौगातकार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई, जिसमें मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल ने किसानों से कहा कि आज खेती को नया सोच, नया रास्ता और नई तकनीक की जरूरत है। यही इस अभियान का मकसद है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों की समृद्धि को लेकर लगातार काम कर रहे हैं। मिट्टी की जांच, न्यूनतम समर्थन मूल्य, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान कार्ड जैसे कदम इसी का हिस्सा है। खेतों में अब प्रयोगशाला जैसी सोच उप कृषि निदेशक विकेश कुमार ने जब फार्मर्स रजिस्ट्री और पीएम-कुसुम योजना की जानकारी दी तो किसान चकित रह गए कि अब सौर ऊर्जा से भी खेती का खर्च घटाया जा सकता है। वहीं, कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. श्रीराम सिंह ने किसानों को बताया कि अगर आप ट्राइकोडर्मा से बीज का शोधन करेंगे तो रोग नहीं लगेंगे, पैदावार भी बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि जीवामृत, घनजीवामृत, नीमास्त्र जैसे जैविक टॉनिक खेती में चमत्कार कर सकते हैं और हां, ये सब एक देशी गाय से ही संभव है। मधुमक्खी, मशरूम और मटर से मुनाफा आईआईवीआर वाराणसी से आए डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव और डॉ. रेड्डी ने किसानों को बताया कि अब सिर्फ धान-गेहूं ही नहीं, बल्कि बेबी कॉर्न, मशरूम, मधुमक्खी पालन और सब्जियों के वैल्यू एडिशन (जैसे टोमैटो सॉस, चिप्स) से भी शानदार मुनाफा कमाया जा सकता है। सवाल-जवाब में जीते 'नैनो यूरिया' के पुरस्कार कार्यक्रम के दौरान जब वैज्ञानिकों ने सवाल पूछे तो सही जवाब देकर गोरखनाथ पटेल, सीमा देवी, रमेश बहेलिया, अनंत और गोपाल को नैनो यूरिया की बोतलें पुरस्कार में दी गईं। इससे माहौल और भी जीवंत हो गया। गांव-गांव पहुंचा जागरूकता का कारवां तीन टीमों ने 9 ग्राम पंचायतों में जाकर यह संदेश फैलाया कि खेती अगर बदली तो किसान बदलेगा और किसान बदला तो देश बदलेगा। इसमें सकड़ौरी, भुईली खास, डोमरी, जोगवा, डवक, पसही जैसे गांव शामिल रहे।

राजस्व मामलों के निस्तारण में अब नहीं चलेगी लापरवाही, तय होगी जवाबदेही

मीरजापुर। जमीनी विवादों, राजस्व मामलों और लम्बित वादों के त्वरित निस्तारण को लेकर प्रशासन ने अब सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को हुई राजस्व समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अब लापरवाही नहीं चलेगी, हर फाइल का हिसाब देना होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि जमीनी मामलों का निस्तारण जितना जल्दी और निष्पक्ष होगा, जन विश्वास उतना ही मजबूत होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि धारा-34 (नामांतरण विवाद) के मामलों में आपत्तियों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण हो। छह माह से तीन साल तक लम्बित वादों को चिन्हित कर प्राथमिकता से निपटाएं। बिना विवाद वाले प्रकरणों को 45 दिन के भीतर निपटाना अनिवार्य किया जाए। राजस्व से जुड़े विवादों को लेकर जिला प्रशासन अब लक्ष्यबद्ध और उत्तरदायी शासन की राह पर है। जिलाधिकारी ने राजस्व बैठक में यह स्पष्ट कर दिया है कि अब तारीख पर तारीख नहीं, बल्कि न्याय और समाधान की रफ्तार दिखनी चाहिए। अर्थदंड वसूली में ढिलाई नहीं चलेगीजिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि राजस्व विभाग को अर्थदंड लगाने के बाद उसकी वसूली में तेजी लानी होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि जो भी अधिकारी धारा-67 के अंतर्गत अर्थदंड लगाएं, वे वसूली सुनिश्चित कराएं अन्यथा कार्यवाही की जाएगी।

मेडिटेटिव टूरिज्म और इको हेल्थ का प्रतीक बनकर उभरेगा 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। जहां दुनिया योग को अपनाकर जीवन शैली बदल रही है, वहीं विंध्य क्षेत्र 21 जून को होने वाले 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को ऐतिहासिक बनाने की तैयारियों में जुट गया है। जीआईसी मैदान में सूर्योदय से पहले ही हजारों लोग एक साथ योग और प्राणायाम करेंगे। जिले के हर गांव, ब्लॉक, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और घाटों तक योग की अलख जलेगी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन सिर्फ एक सरकारी रस्म नहीं, बल्कि एक सामूहिक चेतना और जीवनशैली का उत्सव होगा। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में तैयारियों की समीक्षा हुई, जिसमें सभी सरकारी विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं और शैक्षणिक संस्थानों को योग दूत की तरह भूमिका निभाने को कहा गया। हर कोने में योग, हर घाट पर हरियाली महुवरिया स्थित जीआईसी मैदान में मुख्य आयोजन सुबह 6 से 8 बजे होगा। अमृत सरोवरों, गंगा घाटों, ऐतिहासिक स्थलों, स्कूल-कॉलेजों और ब्लॉकों पर भी समान रूप से योग अभ्यास होंगे। 15 जून से 21 जून तक योग सप्ताह चलेगा, जिसमें रोस्टर के अनुसार प्रशिक्षित योगाचार्य कार्यक्रम संचालित करेंगे। स्वस्थ शरीर, स्वच्छ जगह डीएम ने सभी प्रमुख स्थलों पर पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई और तकनीकी व्यवस्थाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही हर आयोजन स्थल की फोटोग्राफिक डोक्यूमेंटेशन भी अनिवार्य की गई है, जिससे यह अनुभव सिर्फ यादगार न रह जाए, बल्कि सीखने लायक मिसाल भी बने। मिशन फिट इंडिया गूंजेगा वर्ल्ड तक इस बार योग सिर्फ पर्व नहीं रहेगा, मेडिटेटिव टूरिज्म और इको हेल्थ का प्रतीक बनकर उभरेगा। यहां से दुनिया को संदेश दिया जाएगा- शांति चाहिए तो योग अपनाइए, प्रकृति से जुड़िए और अंदर की ऊर्जा जगाइए। सबकी भागीदारी, सबका स्वास्थ्य बैठक में ब्रह्माकुमारी, स्काउट-गाइड, रेड क्रॉस, एनसीसी, एनसीसी जैसे संगठनों के साथ-साथ विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य, डॉक्टर, वन अधिकारी और स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी मौजूद रहे। योग को जन-जन तक पहुंचाने का रोडमैप तय किया गया। 15 जून से शुरू होगा 'योग सप्ताह' डीएम ने कहा कि 15 से 21 जून तक पूरे जिले में 'योग सप्ताह' चलेगा, जिसके तहत रोज अलग-अलग जगहों पर कार्यक्रम होंगे। इसमें आयुर्वेदिक और यूनानी विभाग संयुक्त रूप से रोस्टर बनाकर आयोजन करेंगे। पर्यटन स्थलों और अमृत सरोवरों के किनारे भी योग प्राचीन व ऐतिहासिक स्थलों, पर्यटन स्थलों, और अमृत सरोवरों के किनारे भी योग कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिससे पर्यावरण और विरासत के प्रति भी जागरूकता बढ़ेगी। स्कूल-कॉलेज, अस्पताल भी होंगे हिस्सेदार डीएम ने तकनीकी शिक्षण संस्थानों, उच्च शिक्षण महाविद्यालयों और मेडिकल कॉलेजों को भी इस आयोजन में शामिल करने के निर्देश दिए।